राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 22 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-326 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा सदस्यता खतरे में, केरल हाईकोर्ट पहुंची नव्या हरिदास

चुनावी हलफनामे में जानकारी छुपाने का आरोप

कोच्चि । वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा की सदस्यता खतरे में हैं। दरअसल, वायनाड लोकसभा सीट पर उनकी जीत को चुनौती देकर बीजेपी नेता नव्या हरिदास ने केरल हाईकोर्ट पहुंच गई है। नव्या हरिदास ने वायनाड से बीजेपी के टिकट पर प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन वे प्रियंका गांधी से 5,12,399 वोटों से हार गई थीं। वे सीपीआई के सत्यन मोकेरी के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। केरल हाईकोर्ट के समक्ष अपनी याचिका में, नव्या ने तर्क दिया है कि प्रिंयका गांधी वाड्रा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय, उनके और उनके परिवार के स्वामित्व वाली विभिन्न संपत्तियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा दी थी। हरिदास के अनुसार, प्रिंयका गांधी ने मतदाताओं की पसंद को प्रभावित करने के इरादे से मतदाताओं को गुमराह किया, गलत जानकारी देकर अंधेरे में रखा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कई मौकों पर मतदाताओं पर अनुचित प्रभाव डाला और कानून का उल्लंघन किया।

कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति

बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने चुनावी हलफनामे में बताया था कि उनके पास कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है, जबकि कुल अचल संपत्ति 13.89 करोड़ रुपये की है। वहीं प्रियंका ने बताया था कि उनके पति रॉबर्ड वाड्रा के पास कुल 37.91 करोड़ रुपये की चल संपति है। इस चुनावी हलफनामे के मुताबिक प्रियंका गांधी पर करीब 15 लाख 75 हजार रुपये का कर्ज है।

संभल के पग-पग में मिल रहे मंदिर, अब कल्कि विष्णु मंदिर पहुंची टीम

संभल। यूपी के संभल में मंदिर-मस्जिद मामले के बाद अब पग-पग में मंदिर मिलने की खबरें आ रही हैं। यही कारण है कि भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम लगातार सर्वे में लगी हुई है। इसी कड़ी में संभल में शनिवार को भी सर्वे टीम ने एक मंदिर का सर्वे किया है। जानकारी अनुसार एएसआई टीम संभल के कल्कि विष्णु मंदिर आज पहुंची थी। टीम ने अब यहां पर सर्वे का काम शुरु किया हुआ है। टीम के साथ प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद हैं। सर्वे का काम कृष्ण कूप में किया जाना है, जो कल्कि मंदिर के मेन गेट के पास है। बताया जा रहा है कि ये कृष्ण कूप संभल के जामा मस्जिद के पास से महज 500 मीटर की दूरी पर है। कृष्ण कूप चारों तरफ दीवारों से घिरा है। इसके चारों तरफ 5 फीट ऊंची दीवार है। इसके साथ ही कूप के अंदर गंदगी फैली है। बता दें कि शुक्रवार को एएसआई टीम ने 5 तीर्थ और 19 कूपों यानि कुल 24 जगहों का सर्वे किया था। आज कृष्ण कूप का सर्वेक्षण किया गया। ये कूप संभल में कल्कि मंदिर के पास है। जो बहुत ही प्राचीन है। मंदिर के गेट पर एक बोर्ड लगा हुआ है। इसपर सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम भी लिखा है। बताया जा रहा है कि साल 2021 में सीएम योगी यहां आए थे। अब यहां के कूपों और तीर्थों के सर्वे का काम किया जा रहा है। एएसआई टीम ने शुक्रवार को कई जगहों पर सर्वेक्षण किया था। उसमें कार्तिक महादेव मंदिर भी शामिल है, जिसे 46 साल बाद 14 दिसंबर को खोला गया था। बताया जा रहा है कि ये मंदिर बंद था। सर्वे को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। जिस पर संभल के डीएम ने साफ कर दिया है कि किसी दरगाह या मस्जिद का सर्वेक्षण नहीं किया गया है।

चुनावपूर्व दलाल ने दिया आप को झटका, बीजेपी का दामन थामा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक सुखबीर सिंह दलाल ने बीजेपी ज्वाइन कर ली है। वहीं, दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार बलबीर सिंह भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बलबीर को सदस्यता ग्रहण कराई। जानकारी के मुताबिक सरदार बलबीर सिंह लंबे समय से डीएसजीएमसी से जुड़े रहे हैं। सुखबीर सिंह दलाल 2015 से 2020 तक दिल्ली देहात के विधायक रहे। पिछले चुनाव में दलाल का टिकट काट दिया गया था। इस बार भी पार्टी ने उन्हें वहां से अपना उम्मीदवार नहीं बनाया। बीजेपी में शामिल होने के बाद सुखबीर ने आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर निशाना साधा। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने चुनाव के लिए सभी सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है, जबकि बीजेपी ने अभी कोई भी सूची जारी नहीं की है। इस बीच सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी को दिल्ली के लोगों से अब तक एक लाख से अधिक सुझाव मिले हैं और इसमें अधिकतर सुझाव प्रदूषण, बिजली, पानी तथा सड़कों की स्थिति से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि लोगों से प्राप्त हुए इन सुझावों को बीजेपी, सत्ता में आने के बाद दिल्ली के लिए सरकारी योजनाओं में शामिल करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को अब तक सोशल मीडिया के जरिए से 40 हजार से ज्यादा सुझाव और विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करने वाली 'संकल्प पत्र' वैन के जरिए से 60 हजार से ज्यादा सुझाव मिले हैं। बिधूड़ी ने कहा कि समाज के कई वर्गों के प्रतिनिधियों के साथ हुई 40 से ज्यादा बैठकों के में भी सुझाव किए हैं।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में टला, लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम दर में कटौती का फैसला

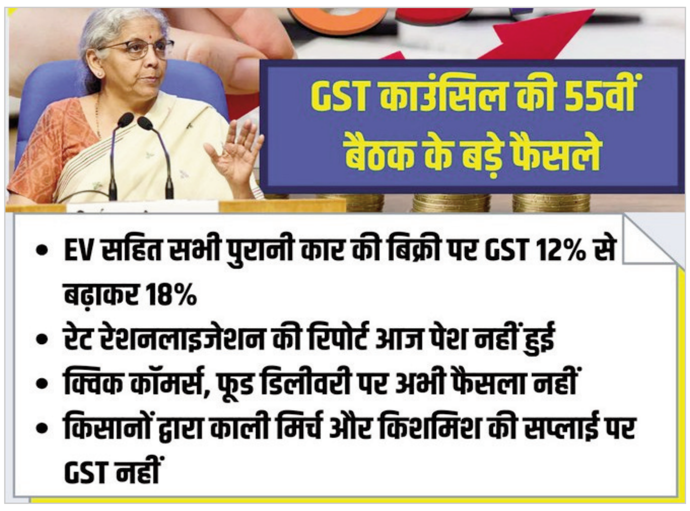

जैसलमेर ।

जीएसटी काउंसिल की जैसलमेर में हुई बैठक में लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम दर में कटौती का फैसला टाल दिया गया है। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी कटौती उद्योगों की लंबे समय से पेंडिंग चल रही मांग है, क्योंकि इससे बीमाकर्ताओं और पॉलिसीधारकों दोनों पर कर का बोझ कम होगा।

मिली जानकारों के अनुसार, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जैसलमेर में जीएसटी काउंसिल ने इंश्योरेंस प्रीमियम के लिए संभावित कर परिवर्तनों पर फैसला टाल दिया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मंत्रियों के समूह (जीओएम) के अधिकांश पैनल सदस्यों ने हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी प्रीमियम पर पूर्ण छूट की वकालत की थी, कुछ पैनल सदस्यों ने दर को मौजूदा 18 से घटाकर 5 प्रतिशत करने का सुझाव दिया।

बैठक के बाद सम्राट चौधरी ने कहा, कुछ सदस्यों ने कहा कि अधिक चर्चा की जरुरत है। जनवरी में जीओएम की फिर से बैठक होगी। जीओएम ने टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट का सुझाव दिया। हेल्थ इंश्योरेंस कवर के लिए वरिष्ठ नागरिकों द्वारा भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का भी प्रस्ताव है। वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए, 5 लाख रुपये तक की पॉलिसी को कवर करने वाले हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर छूट की सिफारिश की गई।

हालांकि, 5 लाख रुपये से अधिक कवरेज वाली पॉलिसियों पर मौजूदा 18 प्रतिशत जीएसटी दर लागू रहेगी। जीएसटी काउंसिल अपनी अगली बैठक में सिफारिशों पर आगे विचार-विमर्श करेगी, क्योंकि कुछ और तकनीकी पहलुओं को सुलझाया जाना है। इस बीच, जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर जीओएम को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जून 2025 तक छह महीने का विस्तार मिलने की संभावना है।

इसके अलावा, जीएसटी काउंसिल द्वारा विमानन टरबाइन ईंधन को जीएसटी के दायरे में लाने के मुद्दे पर भी विचार किए जाने की संभावना है।

सेना की सख्ती से पिछले 1 महीने से शांत है मणिपुर

600 दिन के बाद आई है, मणिपुर में कुछ शांति

गुवाहाटी । मणिपुर की जातीय हिंसा 600 दिन से चल रही है। पिछले 1 महीने से कुछ शांति देखने को मिल रही है। मणिपुर में सामूहिक हिंसा की कोई घटना पिछले एक माह में नहीं हुई है। कुकी और मैतई समुदाय के प्रदर्शनों पर पूरी तरह से रोक लगी है। मणिपुर राज्य में सेना द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बड़े पैमाने पर उग्रवादी संगठनों द्वारा जो हथियार उपयोग में ले जा रहे थे। सेना ने उन्हें जप्त किया है। जिन इलाकों में उग्रवाद की सबसे ज्यादा घटनाएं हो रही थी। वहां पर सेना ने विशेष अभियान चलाया है। मणिपुर में 288 कंपनियां केंद्र सरकार द्वारा तैनात की गई हैं। 40000 से अधिक सेना के जवान पूरे मणिपुर में फैल गए हैं। पहली बार बड़े पैमाने पर सेना ने एक-47 सीरीज की 20 से अधिक राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल तथा सैकड़ो किलो आईडी बरामद करने में सफलता हासिल की है। सेना की सख्ती के बाद अब लोग खुद अपने हथियार सेना और पुलिस को सौंप रहे हैं। मणिपुर में लंबे समय के बाद शांति देखने को मिली है।

वसुंधरा राजे और पीएम मोदी की मुलाकात से सियासी गलियारों में हलचल

कई आयोजनों में बिना किसी का नाम लिए चलते रहे सियासी तीर

जयपुर।

पिछले दिनों बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोलने वाली राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को दिल्ली में पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। वसुंधरा राजे ने इसे शिष्टाचार भेंट बताते हुए इस मुलाकात के फोटो अपने एक्स पर शेयर किए हैं, लेकिन राजे की पीएम मोदी से इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

बता दें वसुंधरा राजे बीते कई दिनों से कई आयोजनों में बिना किसी का नाम लिए सियासी बयानबाजी करती रही हैं। राजे की इस मुलाकात के बाद सियासी गलियारों में कई तरह की चर्चाएं शुरु हो गई हैं। राज्य में बीजेपी की सरकार होने के बावजूद उससे दूरी बनाने वाली राजे गाहे-बगाहे गहरे बयान देती रही हैं। राजे के ये बयान सियासी गलियारों में काफी चर्चा में रहते हैं। दो बार राजस्थान की सीएम रह चुकी और बीजेपी की कद्दावर नेता वसुंधरा राजे के बयानों को लेकर हालांकि पार्टी की तरफ से कभी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आती

लेकिन उनके कई मायने निकाले जाते हैं। इसके कारण राजे चुप रहकर भी राजस्थान की राजनीति में छाई हैं। वसुंधरा राजे ने नंवबर में झालावाड़ में महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करते हुए अपनी पार्टी के कई नेताओं पर तीर चलाए थे। उस मौके पर दिया राजे का बयान अभी भी चर्चा बना हुआ है। उसके बाद जब पार्टी में हलचल हुई तो राजे को कद्दावर नेता बताते हुए उनके बयानों से किनारा कर लिया था। उस कार्यक्रम में वसुंधरा राजे ने कहा था कि बादल कुछ देर तो सूरज के आगे आकर उसे छिपा सकते हैं लेकिन ज्यादा देर तक उसका तेज रोकने का उनमें सामर्थ्य नहीं होता है।

सांसदों के बीच धक्कामुक्की मामले में एसआईटी का गठन, जांच ने पकड़ी गति

नई दिल्ली । संसद में हुए धक्का-मुक्की मामले की जांच गति पकड़ने लगी है। मामले को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया है। इसकी जांच अब क्राइम ब्रांच की चाणक्यपुरी स्थित आईएससी यूनिट करेगी। यह पूरा मामला संसद परिसर में सांसदों के बीच धक्कामुक्की का है, इसमें बीजेपी के दो सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल तक हो गए थे। दोनों का इलाज आरएमएल अस्पताल में चल रहा है। इस मामले की संजीदगी और गंभीरता को देखकर क्राइम ब्रांच की एक एसआईटी टीम का गठन किया गया है।

जांच में दो एसीपी भी शामिल

क्राइम ब्रांच की एसआईटी की टीम में 2 एसीपी, 2 इंस्पेक्टर और 3 सब इंस्पेक्टर शामिल है। जो सीधे डीसीपी को रिपोर्ट करने वाले है। इस मामले की जांच में 2 एसीपी को एसआईटी में इसलिए शामिल किया गया है कि क्योंकि मामला पॉलिटिकली हाई प्रोफाइल है। अमूमन देखा गया है कि पॉलिटिकल हाई प्रोफाइल मामले हमेशा दिल्ली पुलिस की आईएससी क्राइम ब्रांच यूनिट को ही जांच दी जाती है। सूत्रों की मानें पार्लियामेंट एडमिस्ट्रेशन को सीसीटीवी फुटेज के लिए लेटर लिखा जाएगा, जिसमें घटना से जुड़ी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज काफी मायने रखती है। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचान, धारा 117 यानी स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना, धारा 125 यानी दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का काम, धारा 131 यानी आपराधिक बल का प्रयोग, धारा 351 यानी आपराधिक धमकी और धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। राहुल गांधी को मामले में पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर में चिल्लई कलां शुरू, पारा -8.5 डिग्री पहुंचा

मध्य प्रदेश में अभी राहत, चार दिन बाद बढ़ेगी ठंड, राजस्थान में छाया घना कोहरा

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर में शनिवार से चिल्लई कलां की शुरुआत हुई। चिल्लई फारसी शब्द है, हिंदी में इसका मतलब बहुत ज्यादा ठंड होता है। अब अगले 40 दिन यहां बहुत ज्यादा बर्फबारी होगी। श्रीनगर में तापमान -8.5 डिग्री पहुंच गया है। यहां 133 साल में तीसरी बार पारा इतने नीचे गिरा है। मौसम विभाग ने बताया कि मध्य प्रदेश में पिछले तीन दिनों से ठंड से राहत है। यह दौर 4 दिन तक जारी रहेगा, लेकिन उसके बाद तापमान में गिरावट आएगी। वहीं, राजस्थान में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। सीकर में विजिबिलिटी 50 मीटर दर्ज की गई। यूपी में भी कई जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। राज्य में सबसे ज्यादा सर्दी कानपुर में पड़ रही है। यहां तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। 22 दिसंबर से 2 राज्यों में सीवियर कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हरियाणा, राजस्थान में कोल्ड वेव का अलर्ट। 23 दिसंबर को 3 राज्यों में बारिश हो सकती है, वहीं पंजाब-हरियाणा में घना कोहरा देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में शीतलहर चलेगी। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में बारिश हो सकती है। 55 किमी की रफ्तार से हवा चलेगी। हिमाचल के लाहौल स्पीति, चंबा और कुल्लू की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। 7 जिलों शीतलहर चलेगी। 24 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, असम, मेघालय में घना कोहरा छाया रहेगा।

संसद में हंगामे के चलते करदाताओं के 84 करोड़ रुपये हुए स्वाहा

संसदीय कार्यवाही पर प्रति मिनट करीब 2.50 लाख खर्च होते

नई दिल्ली ।

संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे के बीच खत्म हो गया। इस सत्र में संविधान पर अच्छी बहस हुई। साथ ही दो अहम बिल भी पेश किए गए। एक बिल एक साथ चुनाव कराने को लेकर था। लेकिन बीआर आंबेडकर के कथित अपमान को लेकर सियासी तकरार बढ़ गई। इसकारण सत्र का अंत कड़वाहट भरा रहा। सत्र के आखिरी दिन सत्ताधारी एनडीए और विपक्षी दलों के बीच तनाव बना रहा।

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, सदन की उत्पादकता करीब 58 प्रतिशत रही। यह उन दिनों से काफी कम है जब यह 100 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा होती थी। अपनी समापन टिप्पणी में, जगदीप धनखड़ ने सभी दलों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठने और संसदीय मर्यादा बहाल करने का आह्वान किया। विपक्ष के इस आरोप के बीच कि वे अक्सर पक्षपातपूर्ण रहे हैं, उन्होंने संतुलित रुख अपनाया। धनखड़ ने कहा कि 25 नवंबर से शुरू हुए शीतकालीन सत्र में सदन ने प्रभावी ढंग से केवल 43 घंटे और 27 मिनट काम किया। इस सत्र की उत्पादकता मात्र 40.03 प्रतिशत रही।

वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस पर दोष मढ़ा। उन्होंने कहा कि पहले से हुए समझौते के बावजूद विपक्ष के लगातार विरोध प्रदर्शन के कारण ही उत्पादकता में कमी आई। संसद को सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनी थी। रिजिजू ने कहा कि सभी दलों को चिंताजनक स्थिति पर विचार करना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते वे विपक्षी नेताओं से बातचीत जारी रखूंगा।

इस सत्र के दौरान लोकसभा में पांच विधेयक पेश किए गए, जिनमें से चार पारित हुए। राज्यसभा ने तीन विधेयक पारित किए। 26 नवंबर को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में संविधान सदन में एक विशेष सत्र भी आयोजित हुआ। यह सत्र भारतीय संविधान की महत्ता को दिखाता है। इस सत्र में संविधान की उपलब्धियों और चुनौतियों पर चर्चा हुई। इस सत्र में एक साथ चुनाव कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस बिल का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना है।

व्हाट्सएप ने एनएसओ ग्रुप पर बड़ी कानूनी जीत हासिल की

अमेरिका कोर्ट ने सुनाया फैसला

मुंबई ।

व्हाट्सएप ने एनएसओ ग्रुप तकनीकी के खिलाफ एक बड़ी कानूनी जीत हासिल की है, जो विवादास्पद पेगासस स्पाइवेयर के लिए मशहूर है। यह फैसला मेटा के मैसेजिंग एप द्वारा 2019 में अमेरिका में दायर हाई-प्रोफाइल मुकदमे में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस मुकदमे में एनएसओ ग्रुप पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने मई 2019 में दो हफ्तों के दौरान 1,400 लोगों के फोन को पेगासस स्पाइवेयर से संक्रमित किया। इन लोगों में पत्रकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता और सरकारी अधिकारी शामिल थे। पेगासस, अपनी गुप्त निगरानी क्षमता के लिए कुख्यात है, और पेगासस स्पाईवेयर को व्हाट्सएप के जरिए लक्ष्यों से संवेदनशील डेटा चुराने के लिए इस्तेमाल किया गया था। अमेरिकी कोर्ट ने व्हाट्सएप के पक्ष में फैसला सुनाकर एनएसओ ग्रुप को राज्य और संघीय हैकिंग कानूनों के उल्लंघन का दोषी पाया है। अदालत ने माना कि एनएसओ ग्रुप ने व्हाट्सएप की सेवा शर्तों और अमेरिकी कंप्यूटर फ्रॉड और एब्यूज एक्ट का उल्लंघन किया है, जिससे इस स्पाइवेयर निर्माता को बड़ा झटका लगा है।

अपने फैसले में, जज हैमिल्टन ने कहा कि एनएसओ ग्रुप ने कानूनी प्रक्रिया में बाधा डाली, क्योंकि उसने व्हाट्सएप को स्पाइवेयर का सोर्स कोड प्रदान नहीं किया, जबकि इस 2024 की शुरुआत तक ऐसा करने का आदेश दिया गया था। इसके बजाय, कंपनी ने कोड को केवल इजराइल में उपलब्ध कराया और इसकी समीक्षा सिर्फ इजराइली नागरिकों तक सीमित रखी, जिसे जज ने पूरी तरह से अव्यवहारिक करार दिया।

अब एनएसओ ग्रुप को मार्च 2025 में एक ज्यूरी ट्रायल का सामना करना पड़ेगा, इसमें तय होगा कि व्हाट्सएप को कितना मुआवजा दिया जाना चाहिए, जो आज भी दुनिया का सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म बना हुआ है। इस फैसले के बाद, व्हाट्सएप ने कहा, ÷पांच साल की कानूनी लड़ाई के बाद, हम आज के फैसले के लिए आभारी हैं। एनएसओ अब व्हाट्सएप, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और सिविल सोसायटी पर अपने अवैध हमलों की जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। इस फैसले के साथ, स्पायवेयर कंपनियों को यह संदेश मिलना चाहिए कि उनके अवैध कार्य बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।÷

2021 में पेगासस जासूसी मामले ने देश में राजनीतिक विवाद को जन्म दिया था। आरोप थे कि केंद्र ने पेगासस स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर भारतीय नागरिकों के 300 फोन नंबरों को ट्रैक किया। इनमें एक संवैधानिक पदाधिकारी, कई पत्रकार, व्यापारी, सिविल सोसाइटी के नेता और विपक्षी नेता शामिल थे।

हालांकि, 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर कहा कि 29 शिकायतकर्ताओं के फोन की जांच में पेगासस स्पाइवेयर का कोई प्रमाण नहीं मिला। जांच के दौरान 5 फोनों में मैलवेयर के निशान जरूर पाए गए।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेल्फी से मौतें : हम नहीं सुधरेगें, खुद ही बेमौत मरते रहेगें ?

कुल्लू –मनाली में सैंकड़ों ऐसे मामले घटित हो चुके हैं। खुद ही मौत को दावत दे रहें है। वर्ष 2018 में भी एक ऐसी ही घटना कुल्लु में घटित हुई थी कुल्लु की मनीकर्ण घाटी में पार्वती नदी के किनारे दिल्ली का एक पर्यटक सेल्फी लेते नदी में गिर गया था और पानी के तेज बहाव में बह गया था।उसकी लाश नहीं मिल पाई थी।समझ नहीं आता की लोग पिछले घटित हादसों से सबक क्यों नहीं लेते। गत वर्ष भी हिमाचल प्रदेश में सेल्फी के चक्कर में एक छात्रा को जान से हाथ धोना पड़ा था तथा दूसरी को बचा लिया गया था। यह दोनो छात्राएं शिमला के सुन्नी क्षेत्र में कोलडैम के समीप सेल्फी ले रही थी कि अचानक एक छात्रा का पांव फिसला और वह डूब गई दूसरी छात्रा उसे बचाते समय डूबने लगी मगर बचाव दल के सदस्यों ने उसे बचा लिया था। के चक्कर में युवाओं व पर्यटको की मौतों का आंकडा बढता ही जा रहा है।

(लेखक– नरेन्द्र भारती)

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पर्यटक सेल्फी लेते समय असमय ही काल के गाल में समाते जा रहे हैं ।देश मे समय–समय पर ऐसे हादसे होते रहते है मगर सबक न सीखना लोगों की आदत बन गई है।देश कभी रेल से लटकते समय व पटरीयों पर सेल्फी ली जाती है तो कभी बहते पानी में ली जाती है।चटटानों पर खड़े होकर ली जा रही है।पहाड़ियों पर चढकर पांव फिसल रहे है।सेल्फी जानलेवा साबित हो रही है।सेल्फी की यह खतरनाक प्रवृति बढ़ती ही जा रही है। ताजा घटनाक्रम में 17 दिसम्बर 2024 को हिमाचल के लाहौल में घूमने आये राजस्थान के एक पर्यटक की कोक्सर में फुम्मण नाला के पास सेल्फी लेते समय पैर फिसलने से चंद्रा नदी में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई उसका शव बरामद हो गया है यह चार लोग हिमाचल में घूमने आये थे ।इससे पहले गुरुग्राम में सेल्फी लेते समय चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।यह चलती रेल के सामने सेल्फी लेना चाहतें थे कि बेमौत मारे गए ।देश में यह कोई पहला हादसा नहीं है हर रोज सेल्फी की वारदातें हो रही है। जरा सी असावधानी से सेल्फी घातक सिद्व हो रही है।देश में सेंल्फी के हर रोज ऐसे दर्दनाक हादसों से आत्मा सिहर उठती है कि कुछ लोग जान–बूझकर मौत के आगोश में समाते जा रहे है। नदियों के किनारे लोग डूब रहे है। खुद ही मौत के मुंह में समाते जा रहे है ।सेल्फी के कारण परिवार के परिवार तबाह हो रहे है ।केन्द्र सरकार को ऐसे मामलों पर संज्ञान लेना होगा ।देश के युवा सेल्फी लेते समय इतने अंधे कैसे हो जाते है कि अपनी जान जोखिम में खुद डाल देते है और असमय ही बेमौत मारे जा रहे है ।ऐसी त्रासदियां असमय ही घर के चिरागों को बूझा रही है अगर इन मामलो पर संज्ञान लिया जाए ।अगर प्रशासन इन संगीन मामलों पर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए ।सेल्फी के लापरवाही के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं ।है ।है ।कैसी विडंबना है कि लोग खुद की घोर लापरवाहीयों के कारण बेमौत मर रहें है ।लाशों के अंबार लग रहे हैं ।बेखौफ होकर लोग जोखिम ले रहें है ।पर्यटकों पर हम नहीं सुधरेगें,का लेबल लगा हुआ है ।यह कहावत बिगड़ैल पर्यटको पर सटीक बैठती है कि इतने हादसों के बाद भी समझ नहीं आ रही हैं। 2020 व 2024 में भी काफी हादसे हुए है ।यह संख्या घटने के बजाए बढ़ती ही जा रही है। आंकड़ों के अनुसार तमिलनाडू में चलती रेल के सामने सेलफी लेते समय मौत हो गई थी ।19 जून 2021 को फिरोजाबाद में एक दिव्यांग की सेलफी लेते समय पटरी पर गिर गया तब उसका दोस्त उसे बचाने आया और एकदम से रेल आ गई और दोनों की दर्दनाक मौत हो गई ।16 अक्तूबर 2019 बुधवार को कुल्लू की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में पार्वती नदी के किनारे सेल्फी ले रही दो पर्यटक युवतियां अचानक नदी में बह गई थी एक को निकाल लिया गया था। जबकि दूसरी बह गई ।सेल्फी लेते समय पांव फिसलने से यह हादसा पेश आया था। यह युवतियां नदी किनारे एक पत्थर पर सेल्फी ले रही थी। यह युवतियां असम व दार्जिलिंग की रहने वाली थी ।पर्यटक मनमानी करते है ।6अक्तूबर2019 को ताजा मामला तमिलनाडू के मरमपटी के पांबारु बांध में घटित हुआ था जहां सेल्फी लेते समय एक ही परिवार के चार लोगों की पांबारु बांध में गिरने से दर्दनाक मौत हों गई थी ।एक को बचा लिया गया था ।परिवार के सब लोग पानी में बह गए थे ।केवल मात्र परिवार का एक सदस्य ही बच पाया था ।मृतकों में नवविवाहित युगल व उनके सगे संम्बधी थे। देश में2017 में 98 लोग सेल्फी लेते समय मारे गए। 2011 से 2018 तक 259 लोग मारे गए। विदेशी पर्यटक की मौतें ज्यादा हो रही हैं। कुल्लू –मनाली में सैंकड़ों ऐसे मामले घटित हो चुके हैं। खुद ही मौत को दावत दे रहें है। वर्ष 2018 में भी एक ऐसी ही घटना कुल्लु में घटित हुई थी कुल्लु की मनीकर्ण घाटी में पार्वती नदी के किनारे दिल्ली का एक पर्यटक सेल्फी लेते नदी में गिर गया था और पानी के तेज बहाव में बह गया था ।उसकी लाश नहीं मिल पाई थी ।समझ नहीं आता की लोग पिछले घटित हादसों से सबक क्यों नहीं लेते। गत वर्ष भी हिमाचल प्रदेश में सेल्फी के चक्कर में एक छात्रा को जान से हाथ धोना पड़ा था तथा दूसरी को बचा लिया गया था। यह दोनो छात्राएं शिमला के सुन्नी क्षेत्र में कोलडैम के समीप सेल्फी ले रही थी कि अचानक एक छात्रा का पांव फिसला और वह डूब गई दूसरी छात्रा उसे बचाते समय डूबने लगी मगर बचाव दल के सदस्यों ने उसे बचा लिया था। के चक्कर में युवाओं व पर्यटको की मौतों का आंकडा बढता ही जा रहा है। 1 जुलाई 2019 को उतराखंड के पिथैरागढ़ में परिवार के साथ पिकनिक पर गए एक 13 साल के बच्चे की सेल्फी के दौरान डैम में गिरने से मौत हो गई थी। बच्चे को बचाने के लिए उसकी मां ने डैम में कूद गई मगर ज वह डूबने लगी तो वहां मौजूद लोगों ने उस को बचा लिया पर उसका बेटा डूब गया। मध्यप्रदेश में भी झरने के पास सेल्फी ले रहे एक छात्र की डूबने से मौत हो गयी थी। गोताखोर जान जोखिम में लोगों को बचा रहे है ।सेल्फी के शौकिन खुद तो मर रहे है बल्कि दूसरों को भी मार रहे है। ऐसे दर्दनाक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं ।इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। पिछले महिने चलती ट्रेन के साथ सेल्फी लेने के चक्कर में बंगलुरु के पास तीन युवओं की दर्दनाक मौत हो गई थी यह हादसा बंगलुरु से करीब तीस किलोमीटर दूर बिदादी के पास हुआ था जहां तीन लड़के सेल्फी लेने के चक्क्र में चलती ट्रेन की चपेट में आ गए थे ।और बेमौत मारे गए थे ।इनकी उम्र अभी 16 से 18 साल के बीच थी ।कुछ लोगों ने इन युवाओं को तस्वीरे खीचते देखा था ।इनमें दो युवा कालेज के छात्र थे और एक ने पढाई छोड़ दी थी। कुछ समय पहले वर्धा में नदी में विर्सजन के समय गणेश की मूर्ति के साथ सेल्फी लेनें के चक्क्र में तीन छात्रों की डुबकर मौत हो गई थी ।अब इसे लापरवाही कहे या कुछ और यह अहम सवाल है कि अपनी ही लापरवाहियों के कारण डूबते जा रहे है ।सेल्फी के चक्क्र में अपनी जान से हाथ धो बैठते है। देश में घटित हो रहे ऐसे हादसों के लिए प्रशासन व पुलिस भी जिम्मेवार है ।हर साल ऐसे हादसों में लोग मारे जाते है। मगर प्रशासन की तन्द्रा हादसे के आद ही टूटती है ।अगर प्रशासन सर्तक होता तो श्रध्दालू डूबकर नहीं मारे जाते ।अब प्रसाशन सक्रिय हो गया है मगर अब बहुत देर हो चुकी है ।अब प्रशासन लापता लोागों की तलाश में लाखों रुपया खर्च कर देगा अगर पहले ही सर्तकता बरती होती तो ऐसे हादसे नहीं होते। ऐसे हादसे व्यवस्था की पोल खोलते है ।देश के हर राज्यों में सेल्फी से मौतों के हादसें हो रहे है ।कोई भी राज्य इस सेल्फी की बीमारी से अछूता नहीं रहा है ।आंकडों में बेतहाशा वृद्वि हो रही है ।इन हादसों पर लगाम लगानी होगी। समाचार पत्रों में प्रकाशित आंकडों के मुताबिक 10 जुलाई 2017 को नागपुर में सेंल्फी लेते 8 लोगों की मौत हो गई थी ।उसके बाद भी इन हादसों में कमी तो नहीं आई पर वृद्वि जरुर हुई है ।27 जुलाई को मध्यप्रदेश में भी सेंल्फी लेते समय चार युवाओं की अकाल मौत हुई थी ।इससे पहले 14 जुलाई को उतराखंड के एक दो प्रेमीयों की सेल्फी लेते समय मौत हो गई थी। 16 अप्रैल 2016 को सहारनपुर में रेलवे क्रासिंग पर सेल्फी लेते समय एक 16 साल के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई थी ।9 जनवरी 2015 को जम्मू में सेल्फी लेने के चक्कर में एक युवक की मौत हो गई थी ।2015 में इजराइल के एक पर्यटक की सेल्फी लेते समय मौत हों गई थी ।2015 में ही जापान के एक पर्यटक की थी सेल्फी लेते समय मौत हो गई थी। 2015 में मथुरा में तीन युवाओं की रेलवे ट्रैक पर सेल्फी लेनें के चक्कर में मारे गए थे ।2014 में ऐसी ही एक घटना हुई थी जिसमें एक 15 साल के बच्चे की मौत हुई थी। ।प्रशासन को इन हादसों से संज्ञान लेना होगा तथा इन हादसों पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाने होगें क्योकि ऐसी बारदातें बहुत ही खौफनाक है। मानव जीवन बहुत ही दुर्लभ है ।इन हादसों में कई इकलौते चिराग असमय ही दुनिया से रुखस्त हो रहे है ।कहते है कि जानबूझकर गलती करना बहुत ही गलत है ।अगर युवा जरा सा संभलकर चलते तो जिन्दगी से हाथ न धोते ।जान की परवाह न करते हुए खुद ही मौत को दावत दे रहे है इसमें किसे कसूरवार मानें ।यह एक यक्ष सवाल है जिसका जबाब ढूढना होगा ।देश में हो रहे इन हादसों पर समाज को चिंतन करना होगा ।युवा आज मस्ती में ऐसे कार्यो को अंजाम दे रहा है कि इन युवाओं व युवतियों व सेल्फी के शौकिनों पर आ बैल मुझे मार की कहावत सटीक बैठती है ।प्रशासन को इन बढते हादसों पर लगाम लगाने के लिए कारगर कदम उठाने होगें तथा रेलवे विभाग को भी इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए अगर पहले ही सर्तकता बरती होती तो आज युवा पर नकेल ले जाती और बेमौत न मारे जाते ।युवाओं का भी इन हादसों से सीख लेनी चाहिए। देश में सेल्फी निरंतर बढ़ती दर्दनाक घटनाओं को देखते हुए समाज के लोगों को जागना

संपादकीय

असंसदीय कृत्य

जब देश की नई संसद में सदन की कार्रवाई शुरू हुई, तो विश्वास था कि देश में संसदीय मर्यादाओं को नई गरिमा मिलेगी। लेकिन हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र के दौरान हुए हंगामे ने देश के आम जनमानस को गहरे तक निराश ही किया। सड़क पर सांसदों की धक्का–मुक्की और आरोप–प्रत्यारोपों ने उन मतदाताओं को ठेस पहुंचायी, जिन्होंने उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना था। आरोप–प्रत्यारोप तो सांसदों की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन इस बार तो बात धक्का–मुक्की से लेकर थाने तक जा पहुंची। ऐसे में सवाल किया जा सकता है कि जब हमारे माननीयों का व्यवहार ऐसा होगा तो आम आदमी से क्या उम्मीद की जा सकती है। दरअसल, महाराष्ट्र चुनाव में करारी शिकस्त से पस्त विपक्ष सरकार पर हमले के लिये मुद्दे की तलाश में था। उन्हें मुद्दा खुद गृहमंत्री अमित शाह ने दे दिया। संविधान के रचयिताओं में अग्रणी डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी के बाद एनडीए और इंडिया गठबंधन के सांसदों के बीच आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला कालांतर टकराव में बदल गया। निश्चय ही राजनेताओं के व्यवहार से देश–विदेश में कोई अच्छा संदेश नहीं गया। जिन सांसदों के हाथ में कानून की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी है, वे हाथ ही धक्का–मुक्की में लिप्त होने लगे। जो जनप्रतिनिधियों की कथनी–करनी के अंतर को ही दर्शाता है। सही मायनों में यह मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने उन्हें चुनकर संसद में भेजा है। निस्संदेह, जब अमित शाह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का नाम जपना एक फैशन बन गया तो ऐसा करके उन्होंने अपना कद कदापि नहीं बढ़ाया। इस तरह उन्होंने संविधान के जनक को एक अनावश्यक विवाद में घसीट लिया। महाराष्ट्र चुनाव में पराजय के बाद खस्ता हाल में आये विपक्ष को इस विवाद ने राजग पर एकजुट हो हमलावर होने का अवसर दे दिया है। विपक्ष ने भी मुद्दे को तुरंत लपक लिया। लेकिन इस तरह के विवाद को असंसदीय ही कहा जाएगा। कालांतर में स्थिति यहां तक पहुंच गई कि शाह की बयानबाजी के बचाव में खुद प्रधानमंत्री को उतरना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक स्वार्थ के लिये दुर्भावनापूर्ण झूठ का सहारा लेने का आरोप भी लगाया। निस्संदेह, डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक ऐसे राष्ट्रीय प्रतीक हैं, जिनकी गरिमा को कोई भी राजनीतिक पार्टी नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह स्पष्ट ही है कि राजनीतिक लाभ के लिए दोनों प्रमुख पार्टियां उनकी विरासत पर कब्जा करने को यह खेल खेल रही हैं। उनका अमर्यादित व्यवहार इस स्थिति को और गंभीर बना देता है। विडंबना ही है कि ये स्थितियां तब पैदा हुईं जब देश संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित कर रहा था। दुनिया को यह बताने का प्रयास कर रहा था कि लोकतंत्र, न्याय और समानता की कसौटी पर यह जीवंत दस्तावेज खरा उतरा है। निस्संदेह, इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि संविधान के आदर्शों को बनाये रखना सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनकी प्राथमिकता सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की होनी चाहिए, न कि आरोप–प्रत्यारोप व टकराव की सीमाएं लांघने की। वे कम से कम लोकतंत्र के मंदिर की मर्यादा और गरिमा को बनाये रखने का दायित्व तो निभा ही सकते हैं। यदि ऐसा न हुआ तो लोकतंत्र का यह मंदिर प्रहसन के रंगमंच में बदल जाएगा। साथ ही भारत के विश्व गुरु व विश्व बंधुत्व के नारे में भी कोई तार्किकता नहीं रह जाएगी। आज देश बेरोजगारी, महंगाई तथा विकास से जुड़ी तमाम समस्याओं से जूझ रहा है।

संसद में घमासान - हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों- एफआईआर बनाम एफआईआर

(लेखक– किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र जिसके बारे में पूरी दुनियाँ चर्चा करती है। दूसरी ओर भारत का संविधान जो हमारे लिए पूज्यनीय है, परंतु इसके ऊपर ही संसद में चर्चा पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल संसद के ऊपरी सदन में माननीय गृहमंत्री ने संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कुछ ऐसा जुमला बोला कि विपक्ष ने उसे हाथों– हाथ लपक लिया, उसे मुद्दा बनाकर गृहमंत्री के पद छोड़नें की मांग तक की बात बना दी जिसके बचाव में माननीय पीएम सहित अनेक मंत्री सामने आए व गृहमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहां की उसके बयान को एआई की मदद से तोड़ मरोड़ कर एक अंश को प्रस्तुत किया गया है जिसपर दो दिनों से घमासान चल रहा है, परंतु गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 का दिन संसद क़े काला दिवस के रूप में माना जा सकता है,जहां शाब्दिक घमासान ने धक्का मुकी का रूप ले लिया, जिसमें दो सांसद महोदय घायल हो गए हैं व अस्पताल में भर्ती है,तथा दोनों प्रमुख पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ़ पुलिसथाने में एफआईआर दर्ज करा दी है सताधारी पार्टी ने नए आईपीसी कानून की धारा 115 117 125 131 351 3(5) तो विपक्षी बड़ी पार्टी ने 114 115 116 117 129 130 131 133 धाराओं के अंतर्गत सांसद मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की है जो मैंने एफआईआर के लिए दी गई पांच पुष्टों की कॉपी देखी उसमें करीब 15 संसद सदस्यों के हस्ताक्षर भी हैं, जो मैंने अपने 40 वर्षों के स्तंभकार लेखन के करियर में शायद पहली बार ही यह देखा हूं, क्योंकि लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुकी बाचाबाची देखकर मतदाता,जनता हैरान है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, संसद में धमासान शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों एफआईआर बनाम एफआईआर। साथियों बात अगर हम गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 को संसद परिक्षेत्र में धक्कामुक्की करें तो, बाबासाहेब आंबेडकर से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और इस दौरान उनकी कथित तौर पर धक्का–मुक्की भी हुई। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्का–मुक्की की जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद प्रताप सारंगी चोटिल हुए। सारंगी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि पार्टी मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत भी दर्ज कराई है ।कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, गृह मंत्री ने संसद में बाबासाहेब का अपमान किया है। आज बाबासाहेब के अपमान के खिलाफ संसद परिसर में इंडिया गठबंधन के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। जब इंडिया गठबंधन के सांसद मकर द्वार पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद पार्टी के सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष और नेता विपक्ष के साथ धक्का–मुक्की और बदसलूकी की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष को चोट भी आई है सत्ताधारी पार्टी की इस गुंडागर्दी के खिलाफ आज कांग्रेस के सांसदों ने संसद मार्ग स्थित पुलिस थाने में बदसलूकी करने वाले सांसदों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई ।लोकसभा स्पीकर को भी लिखा पत्र इसके अलावा कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का–मुक्की की, जो न सिर्फ कांग्रेस नेता की गरिमा पर हमला है, बल्कि संसद की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत भी है। उन्होंने बिरला से आग्रह किया कि इस मामले में वह उचित कार्रवाई करें। कांग्रेस सांसदों ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आप इस मामले को पूरी गंभीरता से लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। साथियों बात अगर हम इस धक्कामुक्की का मामला पुलिस थाने की दहलीज पर पहुंचने पर एफआईआर बनाम एफआईआर की करें तो, संसद भवन में गुरुवार को हुई धक्का–मुक्की के बाद लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है ।इस मामले में नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से भी शिकायतें की हैं ।संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि के द्वारा शारीरिक हमला और उकसाने के लिए उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि एनडीए के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से कांग्रेस के झूठ के प्रोपेगेंडा को बेनकाब कर रहे थे और उनसे माफी की मांग कर रहे थे। उसी समय राहुल गांधी अपने इंडी गठबंधन के सांसदों के साथ आए और तय रास्ते से न जाकर एनडीए के सांसदों के बीच आ गए। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को उकसाया भी और दुर्भावनापूर्ण रवैये के साथ आगे बढ़े ।राहुल गांधी के खिलाफ उन्होंने बीएनएस की धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। इसमें 109 हत्या का प्रयास और 117 स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने का मामला है ।दूसरी तरफ, मणिपुर से भाजपा की महिला राज्यसभा सांसद एस. फांगनोन कोन्याक ने राहुल गांधी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने सभापति को पत्र लिखकर राहुल गांधी बताया कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए अत्याचारों के विरोध में शांतिपूर्ण विरोध–प्रदर्शन में भाग ले रही थीं, तभी यह घटना हुई ।कोन्याक ने चिट्ठी में बताया, मैं मकर द्वार की सीढ़ियों के नीचे हाथ में तख्ती लेकर खड़ी थी। सुरक्षाकर्मियों ने वहां घेराबंदी कर दूसरे दलों के सांसदों के प्रवेश के लिए एक रास्ता बनाया हुआ था। उसी समय राहुल गांधी अपनी पार्टी के अन्य सांसदों के साथ मेरे सामने आ गए, जबकि उनके लिए अलग रास्ता बनाया हुआ था। उन्होंने ऊंची आवाज में मेरे साथ दुर्व्यवहार किया और वह मेरे इतने करीब थे कि एक महिला सदस्य होने के नाते मैं बहुत असहज महसूस कर रही थी।. कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायतसंसद भवन परिसर में हुई हाथापाई को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने बीजेपी सांसदों पर अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।

(चिंतन-मनन)

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे– इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। विशिष्ट ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं, जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेढक निकले। रामदास ने पूछा – शिवाजी ! इनका लालन–पालन कौन करता है?

शिवाजी – इनका पोषण प्रकृति से होता है, करता कोई नहीं।

रामदासजी– और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है?

शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले– गुरुदेव! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर–चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था, मैं किसका पालन कर सकता हूं? कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य प्रामाणिकता और चरित्र–निष्ठा से काम करे, पर मिथ्या अभिमान न करे। कुछ लोग सोचते हैं–हम ही सब कुछ करने वाले हैं। हम जमीन–आसमान एक कर देंगे। यही अहं भाव व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने देता।

विचार मंथन

शेयर बाजार के निवेशकों को 12 लाख करोड़ का नुकसान, बेंकों को भारी नुकसान

(लेखक– सनत जैन)

– शेयर बाजार, डॉलर, क्रिप्टो करेंसी, सोने चांदी के दामों में गिरावट से हाहाकार

हाल ही में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बदलाव के संकेत और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारतीय शेयर बाजार में पिछले 5 दिनों में लगातार बड़ी गिरावट देखने को मिली। पांच दिनों मे निवेशकों को लगभग 12 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इसका असर न केवल भारतीय शेयर बाजार पर, वरन डॉलर के मुकाबले रुपया, सोना एवं चांदी के दामों में भी गिरावट के तौर पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका में ब्याज दरों में संभावित वृद्धि से निवेशकों में डर पैदा हो गया है। दादर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमतों के कारण निवेशकों में भय व्याप्त हो गया है, जिस कारण बाजार में बिकवाली तेज हो गई है। डॉलर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं, निर्यात व्यापार और कमोडिटी बाजारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

सोने और चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट बनी हुई है। चांदी 7,000 रुपये प्रति किलोग्राम नीचे आ गई है। जबकि सोना 2प्रतिशत गिरकर 2,590 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया। क्रिप्टो करेंसी बिटक्वॉइन सहित प्रमुख क्रिप्टो करेंसी में 6फीसदी से अधिक की गिरावट आई है जिसका असर अर्थव्यवस्था में वैश्विक रूप से दिखाई देने लगा है। इस अस्थिरता ने निवेशकों के सामने यह सवाल खड़ा कर दिया है। वह अपने निवेश को किस तरह से सुरक्षित करें। बैंकों, म्यूचुअल फंड, भारतीय जीवन बीमा निगम और भारत की अन्य वित्तीय संस्थाओं ने शेयर बाजार में भारी निवेश किया है। शेयर बाजार में जिस तरीके से गिरावट देखने को मिल रही है, उसके बाद बैंकों और भारत की अन्य वित्तीय संस्थानों की हालत भी दिनों–दिन खराब होती जा रही है। अब बैंक में एफडी और बचत खातों में जो पैसा जमा है। वह भी जमाकरता निकालने लगे हैं। बैंकों में नगदी का संकट आ गया है। बैंकों से पैसा ज्यादा निकल रहा है, जमा कम हो रहा है। सोना चांदी के दाम भी गिर रहे हैं, इनमें भी अस्थिरता बनी हुई है। निवेशक कहां निवेश करें, यह उनकी समझ में नहीं आ रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, कि बाजारों में गिरावट का यह दौर लंबे समय तक प्रभाव डाल सकता है। जिसके कारण लोगों में घबराहट देखने को मिल रही है।

इस समय सावधानीपूर्वक निर्णय लेना आवश्यक है। निवेशकों को अलग–अलग वित्तीय संस्थानों में निवेश करने पर ध्यान देना चाहिए। शेयर बाजार से बचना जरूरी है। अलग–अलग निवेश करने पर जोखिम कम किया जा सकता है। सोना और अन्य सुरक्षित संपत्तियों में निवेश एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आर्थिक उतार–चढ़ाव अनिश्चितता में है। वैश्विक स्तर पर आई आर्थिक मंदी का असर भारत में भी बड़ी तेजी के साथ पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए के दाम कम होने से स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। डॉलर के रेट बढ़ने से आयातित सामान महंगा होगा। इस समय ज्यादा लाभ मिलने के स्थान पर समझदारी से किए गए निवेश करने पर ही सुरक्षित हो सकते हैं।

वर्तमान हालात में निवेशकों को घबराने के बजाय धैर्य और विवेक से काम लेने की जरूरत है। शेयर बाजार और बैंक मैं किए गए निवेश इस समय सबसे असुरक्षित हैं। इस बात को ध्यान में रखना होगा। बैंक में जमा धन केवल 5 लाख तक मिलने की गारंटी है। इन बीमा कंपनी के पास पैसे होंगे तो मिलेंगे। इसमें कितना समय लगेगा कहना मुश्किल है। बहरहाल भारतीय अर्थ व्यवस्था अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है। ऐसी स्थिति में कई स्थानों पर निवेश करके ही सुरक्षित रह सकते हैं, इस बात का ध्यान रखना जरूरी है।

टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पीछे छोड़ा जोमैटो ने

मुंबई । फूड डिलीवरी एग्रीगेटर जोमैटो ने टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पछाड़ दिया है। जोमैटो 30 कंपनियां वाली सूची में 27 नंबर पर पहुंच गई है। इन दोनों दिग्गज कंपनियों से जोमैटो का मार्केट कैप बड़ा हो गया है।जोमैटो 2.78 लाख करोड रुपए मार्केट कैप की कंपनी बन गई है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप बीएसई में 2.73 लाख करोड़ का है। वही बजाज ऑटो का 2.50 लाख करोड़ का है। 30 शेयर वाली सूची में जोमेटो शामिल हो जाएगी। वहीं 30 शेयर वाली सूची से जेएसडब्ल्यू स्टील बाहर हो जाएगी। 2024 में जोमैटो के शेयर में लगातार तेजी देखने को मिली। निवेशकों का निवेश दोगुना से ज्यादा हो गया है। 2023 में 124 रूपये के शेयर में 135 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है।जुलाई 2008 में यह कंपनी बनी थी। 5 दिसंबर 2024 को इस कंपनी का शेयर 304.50 पैसे पर पहुंच गया। मार्केट कैप के हिसाब से यह कंपनी 27 वें नंबर पर आ गई है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स समेत कई मुद्दों पर हो सकता है फैसला

148 वस्तुओं पर लगने वाले जीएसटी दरों पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली । राजस्थान में आयो जित जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 148 वस्तुओं पर लगने वाले जीएसटी दरों पर विचार किया जा रहा है। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ कई राज्यों के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भाग ले रहे हैं। बैठक में हुए अहम फैसले के चरण पर, हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रेमियम पर जीएसटी माफ किया जा सकता है। इससे 5 लाख रुपए तक के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी की हावी भारी गिरावट संभावित है। इसके साथ ही प्रीमियम और लग्जरी चीजों के लिए अलग से टैक्स स्लैब भी तैयार किए जा सकते हैं। इस बैठक में उपयोग होने वाले फ्यूल एटीएफ और खाद्य सेवा प्लेटफॉर्मों के लिए भी निर्णय करने की संभावना है। उम्मीद है कि इन फैसलों से अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन की ताकत लौटेगी।

एक्सपायर डेट वाली चीजों का डेटा ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली से पेश करें: एफएसएसएआई

- पोर्टल पर अपलोड करना होगा डेटा

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य मानक और प्रमाणन प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें लाइसेंस प्राप्त खाद्य निर्माता और आयातकों को स्पष्ट किया गया है कि वे रिजेक्टेड और एक्सपायर खाद्य आइटम्स का तिमाही डेटा (ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली) के माध्यम से पेश करें। इसका मकसद है कि ऐसे उत्पादों के पुनः उपयोग को रोका जा सके। इस निर्देश के तहत, तीन अहम क्षेत्रों का विशेष महत्व है- पहला, आंतरिक गुणवत्ता परीक्षण या निरीक्षण में फेल होने वाले उत्पादों की मात्रा; दूसरा, फूड सप्लाई चेन से रिजेक्टेड उत्पादों की संख्या; और तीसरा, प्रोडक्ट डिस्पोजल की डिटेल रिपोर्ट। यह निर्देश हाल ही में जारी किया गया और इसका पालन करने के लिए रिपैकर्स और रीलेवलर्स को जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी। एफओएससीओएस की रिपोर्टिंग फंक्शन अभी भी विकसित हो रहा है, और नियामक ने खाद्य उद्यमों से जरूरी डेटा इकट्ठा करने का आग्रह किया है। हाल ही में एफएसएसएआई ने एक अलग आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि ऑनलाइन काम करने वाले सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को चाहिए कि उन्हें केवल उन खाद्य आइटम्स की डिलीवरी करें, जिनकी एक्सपायरी डेट कम से कम 45 दिन बाकी हो। यह कदम उपभोक्ताओं के हित के लिए उठाया गया है ताकि उन्हें ताज़गी से तैयार भोजन मिल सके। कंज्यूमर्स की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने एक नया ई-जागृति ऐप शुरू करने की योजना बनाई है, जिसकी विशेषता यह है कि इसके माध्यम से लोग अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज कर सकें। इन निर्देशों का पालन करने से प्रयोजन है कि भारत में खाद्य सुरक्षा में सुधार हो, और उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य सुरक्षा का आनंद मिले।

तीसरी तिमाही के नतीजे कमजोर होने की आशंका से शेयर बाजार में घबराहट

5 दिन में 4092 अंकों की गिरावट से शेयर बाजार आईसीयू में

मुंबई ।

दिसंबर माह में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजे को लेकर शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढा हुआ है। दिसंबर माह में शेयर बाजार की जो स्थिति है। वह जुलाई और सितंबर तिमाही के नतीजे के कारण है। जब दिसंबर में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के नतीजे आएंगे। तब शेयर बाजार में और भी बड़ी उथल-पुथल होने की संभावना आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा जताई जा रही है। जिस तेजी के साथ शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। उसका सिलसिला जल्द थमेगा, ऐसा दिखता नहीं है सिर्फ 5 दिनों में शेयर बाजार में 4092 अंक की गिरावट आई है। हाल ही के महीने में जो आर्थिक आंकड़े सामने आ रहे हैं। वह जीडीपी के हों, या महंगाई के सभी ओर से नकारात्मक आंकड़े मिल रहे हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया बहुत कमजोर हो चुका है। आयातित सामान मे अब और ज्यादा पैसा भारत को खर्च करना पड़ेगा। जिसके कारण भारत में महंगाई बढ़ने की आशंका बन गई है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 6 माह तक शेयर बाजार की यही स्थिति बनी रह सकती है। केंद्र सरकार के बजट आने के बाद और केंद्र सरकार द्वारा इस स्थिति से निपटने के लिए कौन से प्रयास किये जा रहे हैं। उसको देखने के बाद ही शेयर बाजार के बारे में कुछ कहा जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों की माने, तो अभी शेयर बाजार भगवान भरोसे है।इस तरह की गिरावट इसके पहले कभी नहीं देखी गई। बिकवाली और आर्थिक मंदी के कारण शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है। आने वाले दिनों में शेयर बाजार में कुछ भी हो सकता है। इसका असर बैंकों और बीमा क्षेत्र में भी पडने की संभावना जताई जा रही है।भारत की आर्थिक स्थिति 2008 की अमेरिका की आर्थिक मंदी जैसी स्थिति में पहुंचती हुई दिख रही है। जिसके कारण आर्थिक जगत में घबराहट मची हुई है।

गूगल ने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की

- कंपनी की परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए लिया फैसला

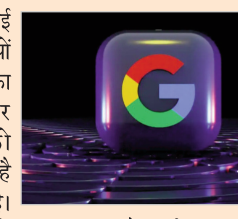

नई दिल्ली । सीईओ सुंदर पिचाई ने गूगल में 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। इसका उद्देश्य संगठनात्मक पुनर्गठन कर कंपनी की परिचालन दक्षता को बढ़ाना है। यह पहली बार नहीं है जब गूगल ने ऐसा कदम उठाया है। इस बार कंपनी ये छंटनी मैनेजमेंट रोल से कर रही है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य प्रोडक्टिविटी बढ़ाना है। पहले गूगल ने 6 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की थी। इन परिवर्तनों के साथ तकनीकी दिग्गज उत्पादकता में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश के तरीके और संचालन को अधिक अनुकूलित करने की खोज कर रहे हैं। गूगल का रीस्ट्रक्चर, दूसरे तकनीकी दिग्गजों को भी प्रेरित कर रहा है। इस नए दौर में गूगल की योजनाएं अदभुत उच्चतम तकनीकी मानकों को अपनाने के लिए दरारबंदी को पुनर्योजित करने की ओर बढ़ रही है।

सारी दुनिया के देशों के शेयर बाजार में हाहाकार

- सोने-चांदी और क्रिप्टो करेंसी में भी गिरावट

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फैड रिजर्व ने अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती करने का अनुमान जताया है। उसके बाद से दुनिया भर के शेयर मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है। विदेशी निवेशकों ने विशेष रूप से भारत के शेयर बाजार से भारी मात्रा में बिकवाली शुरू कर दी है। लगातार पांचवें दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। साप्ताहिक अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को 1100 अंकों की गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ। लगातार 5 दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। निवेशको को लगभग 12 लाख करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिकी फैड रिजर्व के सख्त रुख के कारण भारतीय बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जिसके कारण बीएसई और निफ्टी में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में बैंकिंग और रियल स्टेट के निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार बैंकिंग और आईटी जैसे शेयर में मुनाफा वसूली का दौर देखने को मिल रहा है। बैंकिंग और आईटी के शेयर में निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार अगले सप्ताह भी गिरावट देखने को मिल सकती है।आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है वैश्विक आर्थिक मंदी को देखते हुए अनिश्चितता का वातावरण बना रहेगा 20 जनवरी को अमेरिका में जब राष्ट्रपति पद की डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेंगे। उसका असर भी अर्थव्यवस्था में पड़ना तय माना जा रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी में पांच फीसदी गिरावट रही

▶▶ सेंसेक्स 1,176 अंक टूटकर 78,041.59 पर बंद

▶▶ निफ्टी 364 अंक फिसलकर 23,587.50 पर बंद

मुंबई ।

घरेलू इक्विटी बाजारों में लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद पहली बार साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई है। फेडरल रिजर्व द्वारा अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती की संभावना जताने और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। दोनों सूचकांक पिछले 5 कारोबारी सत्र में नुकसान में रहे, जो निफ्टी का 18 नवंबर, 2024 के बाद और सेंसेक्स का 26 अक्टूबर, 2023 के बाद गिरावट का सबसे लंबा सिलसिला रहा। इस हफ्ते सेंसेक्स 5 फीसदी और निफ्टी 4.7 फीसदी नुकसान में रहे, जो 17 जून, 2022 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। बीते सप्ताह पांच कारोबारी ` दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 215.59 अंक की गिरावट के साथ 81,917.53 अंक पर खुला और 384.55 अंक गिरकर 81,748.57 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 49.45 अंक फिसलकर 24,718.85 अंक पर खुला और 100.05 अंक की गिरावट के साथ 24,668.25 अंक पर आ गया। अमेरिकी फेड के ब्याज दर निर्णय से पहले निवेशकों के सतर्क रुख और रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 617.83 अंक गिरकर 81,130.74 अंक पर खुला और 1,064.12 अंक टूटकर 80,684.45 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 199.75 अंक गिरकर 24,468.50 अंक पर खुला और 332.25 अंक गिरकर 24,336 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट का दौर जारी रहा। सेंसेक्स 428.09 अंक गिरकर 80,268.36 पर खुला और 502.25 अंक टूटकर 80,182.20 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 104.35 अंकों की गिरावट के साथ 24,231.65 के स्तर पर खुला और 137.16 अंक फिसलकर 24,198.85 पर बंद हुआ। अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती के अमेरिकी फेड के अनुमान और लगातार चौथे दिन बिकवाली हावी रहने की वजह से घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को खुलते ही धड़ाम हो गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,162.12 अंक की गिरावट के साथ 79,020.08 अंक पर खुला और 964.15 अंकों की गिरावट के साथ 79,218.05 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 328.55 अंक फिसलकर 23,870.30 अंक पर खुला और 247.15 अंक टूटकर 23,951.70 पर बंद हुआ। घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 214.08 अंक फिसलकर 79,003.97 अंक पर खुला और 1,176.46 अंक टूटकर 78,041.59 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 63.8 अंक की गिरावट के साथ 23,887.90 अंक पर खुला और निफ्टी 364.21 अंक फिसलकर 23,587.50 पर बंद हुआ।

भारत की पीएलआई योजनाएं: आत्मनिर्भर भारत की ओर महत्वपूर्ण कदम

- भारत के विजन को दे रही नई दिशा, 1.97 लाख करोड़ का प्रोत्साहन

नई दिल्ली ।

भारत के आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाएं एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही हैं। इस योजना के तहत 1.97 लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जो देश की विनिर्माण और निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। नवंबर 2020 में शुरू की गई इस योजना ने अब तक अनेक उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। इसके तहत 1.46 लाख करोड़ रुपए के निवेश को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे 12.50 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा दिया गया है। इसके साथ ही, 4 लाख करोड़ रुपए के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है और 9.5 लाख लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए गए हैं। इस योजना ने 14 प्रमुख क्षेत्रों में अपना प्रभाव दिखाया है, जिसमें मोबाइल निर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, और उन्नत रसायन कोशिका बैटरियां शामिल है। यह योजना देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके साथ ही पीएलआई योजना ने विभिन्न क्षेत्रों में अनुकूलित एंकर इकाइयों की मदद से आपूर्ति श्रृंखला में सुधार किया है, जिससे एमएसएमई क्षेत्र में नई विनिर्माण इकाइयों का विकास हो रहा है।

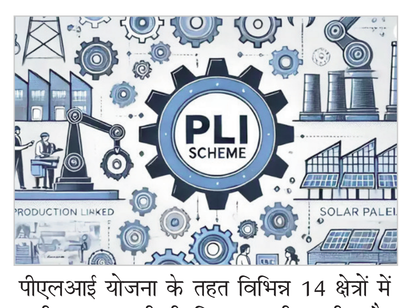

पीएलआई योजना के तहत विभिन्न 14 क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकी विकास की उम्मीद है। इसके माध्यम से यह साबित हो रहा है कि पीएलआई योजना भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

भारत प्योर स्टोरेज के लिए तेजी से बढ़ता बाजार: रिपोर्ट

- कंपनी भारत में विस्तृत व्यापार नेटवर्क का कर रही है विस्तार

नई दिल्ली ।

डेटा सॉल्यूशंस और प्लेटफॉर्म्स कंपनी प्योर स्टोरेज ने भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करने के बाद नए उत्साह से विस्तार की योजना बनाई है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवायएसई) पर सूचीबद्ध प्योर स्टोरेज ने अपने कारोबार में वृद्धि के उत्कृष्ट परिणामों की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी भारत में विस्तृत व्यापार नेटवर्क का विस्तार कर रही है और इसके लिए भारतीय बाजार में निवेश करने की योजना बना रही है। भारत की तकनीकी रूप से उन्नित जनसंख्या के कारण भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है, और उनके इनोवेशन और उद्यमिता से कंपनी का व्यापक विस्तार हो सकता है। कंपनी की योजना है कि वे भारत में अपनी बिक्री और मार्केटिंग क्षमताओं को दोगुना करें और उच्च-तकनीकी समुदाय के लिए उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करें। इसके साथ ही प्योर स्टोरेज का मुख्य ध्यान स्टोरेज-एज़-अ-सर्विस समाधान प्रदान करने पर है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को स्टोरेज की सुविधा और क्लाउड सेवाओं की तरह सुविधा प्रदान करना है। कंपनी की आगामी योजनाएं भारत में डेटा प्रबंधन को एक नए स्तर पर ले जाने पर हैं, साथ ही एआई के क्षेत्र में दक्ष स्टोरेज समाधान विकसित करने का लक्ष्य रखा जा रहा है।

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे पर टोल टैक्स बंद, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली ।

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे पर टोल टैक्स नहीं लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। एक याचिका के आधार पर जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ जायजा लिया गया था। याचिका के अनुसार इलाहाबाद हाई कोर्ट के 2016 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें फ्लाईवे को टोल फ्री करने का सुझाव दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सरकारों को भी फटकार लगाई, क्योंकि वे अवैध रूप से इस परियोजना को नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) को सौंप दिया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने कहा कि टोल वसूलने की कोई वजह नहीं है और एनटीबीसीएल को लागत से अधिक धन वसूलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने टॉल वसूलने की प्रक्रिया पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि एनटीबीसीएल ने जनता की पीड़ा के बदले अनुचित लाभ हासिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ एनटीबीसीएल के साथ अनुबंध को भी मंजूरी दी, जिसके तहत एनटीबीसीएल ने परियोजना की लागत से कहीं अधिक धन वसूला था। कोर्ट ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं था

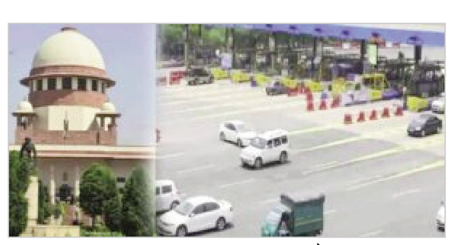

जब तक राज्य सरकारों और नोएडा के अधिकारियों की मिलीभगत न होती, जिन्होंने अनुबंधीय दायित्वों को नजरअंदाज किया। इस नई फैसले के साथ, दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे को टोल-फ्री घोषित कर दिया गया है, जिससे लोगों को सड़क यातायात में अधिक सुविधा होगी।

भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री को 2025 में मजबूती की उम्मीद: रिपोर्ट

- अक्टूबर-नवंबर के दौरान सीमेंट इंडस्ट्री में सालाना आधार पर 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हुई

मुंबई ।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) ने जारी की गई रिपोर्ट में बताया कि भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में मजबूत सुधार देखने की उम्मीद है। इसमें मांग, सरकारी पूंजीगत व्यय में उछाल और रियल एस्टेट तथा आवास क्षेत्रों में निरंतर गति का भी जिक्र है। रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर-नवंबर 2024 के दौरान सीमेंट इंडस्ट्री में सालाना आधार पर 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दौरानिक चुनौतियों के बावजूद बेहतर हासिल हुई। नवंबर में भी 20-22 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही के लिए रिपोर्ट में मात्रा में 8-9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान दिया गया है। वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत के दौरान भी मजबूत रहने की उम्मीद है। इस सेक्टर में अंबुजा सीमेंट्स (एसीईएम) ने अपना सर्वोच्च

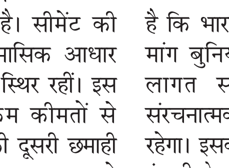

पसंद दर्ज कराया है। सीमेंट की कीमतें नवंबर में मासिक आधार पर काफी हद तक स्थिर रहीं। इस समय ईंधन की कम कीमतों से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में सीमेंट स्प्रेड में 25-30 रुपये प्रति टन की वृद्धि की उम्मीद है। इसके साथ ही प्रति टन एबिटा में 23 प्रतिशत की वृद्धि का भी अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय सीमेंट क्षेत्र मजबूत मांग बुनियादी ढांचे और बेहतर लागत संरचनाओं के साथ संरचनात्मक रूप से लचीला बना रहेगा। इसका मतलब है कि सीमेंट इंडस्ट्री के आगे के दिनों में नए दौर की शुरुआत होने की उम्मीद है।

कैबिनेट समिति ने कोपरा का एमएसपी बढ़ाकर 12,100 रुपए प्रतिक्विंटल किया

- किसानों को कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित मिलेगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने 2025 विपणन सत्र के लिए उचित औसत गुणवत्ता वाले मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बड़ी वृद्धि की है। इस फैसले के अनुसार, मिलिंग कोपरा का एमएसपी 11,582 रुपये प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा का एमएसपी 12,100 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। यह निर्णय न केवल नारियल उत्पादकों को बेहतर लाभ पहुंचाएगा, बल्कि किसानों को कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित भी करेगा। मूल्य समर्थन योजना के तहत केन्द्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से कोपरा और छिलका रहित नारियल की खरीद की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य है कि किसानों को अच्छे मूल्य मिलें और वितरण में समाज के कमजोर वर्गों को सस्ती कीमत पर लाभ पहुंचाया जा सके। केंद्र सरकार किसानों के लिए धान, मोटे अनाज और गेहूं के मूल्य समर्थन भी प्रदान कर रही है। निर्धारित विनिर्देशों के अनुसार सभी खाद्य अनाज को सार्वजनिक खरीद एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। इसके साथ ही किसानों को उनकी उपज को एफसीआई/राज्य एजेंसियों को एमएसपी पर या खुले बाजार में बेचने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। इस नए निर्णय से किसानों को अधिक उत्साह मिलेगा और उन्हें अधिक लाभ पहुंचेगा। यह सरकार के पक्षपात और किसानों के हित के दरमियान संतुलन स्थापित करेगा।

भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री

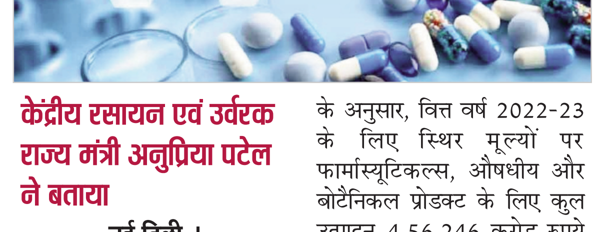

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री है। इतना ही नहीं वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल बाजार का मूल्य 50 बिलियन डॉलर हो गया है। राज्यसभा में लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल मार्केट का घरेलू उपभोग मूल्य 23.5 बिलियन डॉलर और निर्यात मूल्य 26.5 बिलियन डॉलर रहा। यह उत्पादन के मूल्य के मामले में भी 14वें स्थान पर है, जिसमें जेनेरिक दवाएं, बल्क ड्रग्स, ओवर-द-काउंटर दवाएं, टीके, बायोसिमिलर और बायोलॉजिक्स शामिल हैं।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2024 के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए स्थिर मूल्यों पर फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट के लिए कुल उत्पादन 4,56,246 करोड़ रुपये है, इसमें से 1,75,583 करोड़ रुपये वैल्यू एडेड है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट उद्योग में 9,25,811 लोग लगे हुए थे। इस बीच, राज्य मंत्री ने बताया कि फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में सात राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) स्थापित किए हैं। ये संस्थान स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की शिक्षा प्रदान करते हैं, साथ ही विभिन्न फार्मा विशेषज्ञताओं में उच्च स्तरीय शोध भी करते हैं। इसके अलावा, विभाग ने फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में रिसर्च, विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय नीति भी तैयार की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का संभवत: शेड्यूल आया सामने, भारत-पाक मैच इस तारीख से

खेल डैस्क। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शेड्यूल को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। टीम इंडिया अपना पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेल सकती है। यह मैच 20 फरवरी को होगा। भारतीय टीम अपने अन्य दो मुकाबले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। दोनों मैचों का वेन्यू क्या होगा, यह अभी साफ नहीं हो पाया लेकिन इसे श्रीलंका के कोलंबो या यूएई के दुबई में करवाया जा सकता है। इस पर आधिकारिक बयान आना बाकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को मैच खेला जा सकता है। टीम इंडिया पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एक ग्रुप में है।

इन दो ग्रुपों में बांटी जाएंगी टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दो ग्रुप बनेंगे। इसमें भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को ए ग्रुप में रखा जाएगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान बी ग्रुप में। अफगानिस्तान ने बीते कई महीनों से परफॉर्मेंस में काफी सुधार किया है। उन्होंने पाकिस्तान समेत कई बड़ी टीमों को मात दी है।

टीम इंडिया कहां खेलेगी अपने मैच

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल को अप्रूव कर दिया है। अब भारतीय टीम अपने मैच पाकिस्तान में खेलने नहीं जाएगी। वहीं, पाकिस्तान टीम भी साल 2027 तक भारत में नहीं आएगी। दोनों टीमें किसी अन्य स्थानों पर मैच खेलती नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि भारत और पाक के बीच आगामी मुकाबला कोलंबो या दुबई में हो सकता है। इन दोनों में से ही किसी एक शहर को चुनने की संभावना है।

ऐसा हो सकता है चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया का शेड्यूल

भारत बनाम बांग्लादेश - 20 फरवरी
भारत बनाम पाकिस्तान - 23 फरवरी
भारत बनाम न्यूजीलैंड - 2 मार्च

भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का रिकॉर्ड बहुत ही अच्छा रहा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में 2002, 2013 और 2017 में भाग लिया और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में सफलता पाई। 2002 में भारत और पाकिस्तान में फाइनल हुआ था। उक्त मैच बारिश के कारण बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गया। दोनों देशों को संयुक्त विजेता

घोषित किया गया। साल 2006 में भारत आगे नहीं बढ़ पाया था। 2009 में भारत ने सेमीफाइनल गंवा दिया था। 2013 में वह इंग्लैंड और वेल्स में इंग्लैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही। 2017 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत पहुंचा था लेकिन पाकिस्तान खिताब जीतने में सफल रही थी।

रॉबिन उथप्पा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला, गिरफ्तारी वारंट जारी

बेंगलुरु (कर्नाटक) (एजेंसी)। भविष्य निधि (पीएफ) मामले से संबंधित कर्मचारियों और सरकार को धोखा देने के एक कथित मामले में भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक के रूप में, उथप्पा पर कर्मचारियों और सरकार को वेतन से पीएफ योगदान में कटौती करने लेकिन कर्मचारी खातों में धनराशि जमा करने में विफल रहने का आरोप है। कंपनी पर कथित तौर पर 23.36 लाख रुपए का हर्जाना बकाया है, जिसे अधिकारी उथप्पा से वसूलना चाहते हैं।

धोखाधड़ी के आरोप में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त शादक्षीरी गोपाल रेड्डी ने 4 दिसंबर, 2024 को एक पत्र जारी कर पुलकेशी नगर पुलिस को उथप्पा को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस रॉबिन उथप्पा के घर नोटिस जारी करने गई थी. वर्तमान में, वह उस पते पर नहीं रहता है। इसलिए रॉबिन उथप्पा के लिए वारंट जारी कर दिया गया है।

बयान में लिखा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि टीके कृष्णा दास, जो एम/एस सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड (ईएसटी कोड (पीवाई/केआरपी/1524922) के निदेशक हैं, इंदिरानगर में एचएएल सेकेंड स्टेज में संबोधित हैं, धारा 7ए के तहत नुकसान की भरपाई करने में विफल रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और विविध प्रावधान (एमपी) अधिनियम, 1952 की धारा 14बी, और 7क्यू के तहत रु. 23,36,602, जिसमें वसूली के 6,550 रुपए भी शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया- इसलिए, आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त प्रतिष्ठान के निदेशक रॉबिन उथप्पा की गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को उस थाना प्रभारी के माध्यम से निष्पादित करें, जिसके अधिकार क्षेत्र में नियोक्ता रहता है। बकाया भुगतान न करने के कारण, यह कार्यालय गरीब श्रमिकों के भविष्य निधि खातों का निपटान करने में असमर्थ है। उपरोक्त को देखते हुए, आपसे अनुरोध है कि उस थाना प्रभारी के माध्यम से गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को निष्पादित करें जिसके अधिकार क्षेत्र में उथप्पा रहता है। बता दें कि उथप्पा ने 59 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और इंडियन प्रीमियर लीग में तगड़े बल्लेबाज रहे हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बने अनमोलप्रीत सिंह

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है। अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा।

जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था। अगर विश्व रिकॉर्ड की बात करें तो अनमोलप्रीत की पारी लिस्ट ए में सबसे तेज शतकों की सूची में तीसरे नंबर पर है। रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक-फ्रेजर मैकगर्क के नाम पर है जिन्होंने 2023 24 में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तस्मानिया के खिलाफ केवल 29 गेंद पर शतक जड़ दिया था। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स का नंबर आता है जिन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहानिसबर्ग में 31 गेंद पर शतक बनाया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज अनमोलप्रीत ने 45 गेंद पर नाबाद 115 रन बनाए जिसने 12 चौके और नौ छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से पंजाब ने केवल 12.5 ओवर में 165 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया। पंजाब ने एक विकेट पर 167 रन बनाए। कप्तान अभिषेक शर्मा (10) के जल्दी आउट होने के बाद अनमोलप्रीत ने प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 35) के साथ दूसरे विकेट के लिए 153 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश की टीम 164 रन पर आउट हो गई थी। पंजाब की तरफ से तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार और लेग स्पिनर मयंक मारकंडे ने तीन-तीन विकेट लिए।

कोहली अंतर पैदा कर देंगे : बॉक्सिंग डे टेस्ट पर बोले पूर्व कोच संजय बांगड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच संजय बांगड़ का मानना है कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में होने वाला बॉक्सिंग डे टेस्ट एकदम सही है। विराट कोहली के पास इस अवसर पर आगे बढ़ने और खुद को भारत की बल्लेबाजी लाइनअप के आधार के रूप में फिर से स्थापित करने का अवसर है। फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-1 से बराबरी पर है। यह मैच जीतते ही भारत की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं मजबूत हो जाएंगी। मौजूदा सीरीज में कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। जहां पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, वहीं अन्य मैचों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता बनाए रखने में विफल रहे हैं। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं।

टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की डिलीवरी पर फंसते नजर आ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का जमकर फयदा भी उठाया है। हालांकि, पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने इस बात पर जोर दिया कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया कोहली के लिए इन संघर्षों का इलाज हो सकता है। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है। जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं। बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे। इस हाई-स्टेक मुकाबले में विराट की भूमिका अंतर पैदा करने वाली हो सकती है। उन्होंने एमसीजी में पहले भी ऐसा किया है और ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह दोबारा ऐसा नहीं कर सकें।

फॉलोऑन टालने पर भारतीय टीम के जश्न मानने को गलत नहीं मानते शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में फॉलोऑन टालने के बाद जश्न मनाने में कुछ भी गलत नहीं था। गाबा में मैच के चौथे दिन, आकाश दीप ने पैट कमिंस की गेंद पर चौका लगाकर फॉलोऑन खेलने से भारतीय टीम को बचा लिया। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली भी ड्रेसिंग रूम में जश्न मनाते दिखे। वहीं ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों ने इसपर हैरानी जतायी है। शास्त्री के अनुसार इसमें कुछ भी गलती नहीं दिखती। आपको क्यों नहीं जश्न मनाना चाहिए। कठिन हालातों में अंतिम जोड़ी का 35 से 36 रन बनाकर फॉलो-ऑन टालना आसान बात नहीं है। जश्न ने दिखाया कि वे सीरीज को लेकर उस प्रयास के महत्व को जानते थे।' शास्त्री ने कहा, फॉलो-ऑन करना एक बात है, फिर पिछड़ना एक बात है, जबकि आप आगे बढ़कर ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को हिला देते हैं। यह पूरी तरह से सही है।

आईसीसी ने स्टंप पर लात मारने वाले क्लासेन पर जुर्माना लगाया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक नियम के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। क्लासेन पर ये जुर्माना पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में 97 रन पर आउट होने के बाद गुस्से में स्टंप पर लात मारने के लिए लगाया है। आईसीसी ने उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। क्लासेन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 74 गेंदों पर 97 रन बनाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 330 रनों तक पहुंच पायी। क्लासेन ने अंत तक बल्लेबाजी की और 43वें ओवर में आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे। इस मैच में अफ्रीकी टीम को 81 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हार गई. आउट होने के बाद निराश हुए क्लासेन ने स्टंप पर लात मारी, जिसके कारण आईसीसी ने उनपर जुर्माना लगाया। इस मैच में पाकिस्तान की जीत में बाबर आजम और कप्तान मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। इसके अलावा कामरान गुलाम ने भी 32 गेंदों में 63 रन बनाये।

अभी मेरा ध्यान उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताना : रिंकू

लखनऊ । विजय हजार ट्रॉफी में पहली बार उत्तर प्रदेश टीम की कप्तानी कर रहे रिंकू सिंह बेहद उत्साहित हैं। रिंकू ने कहा रिंकू को ऐसे समय में कप्तानी का प्रभार मिला है, जब उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स, आईपीएल 2025 सीज़न के लिए कप्तान चुनने पर विचार कर रही है। हालांकि रिंकू ने कहा कि उनका ध्यान अभी उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताने पर है। उन्होंने कहा, मैं नए आईपीएल सीज़न में केकेआर की कप्तानी के बारे में ज़्यादा नहीं सोच रहा हूं। मैं अपनी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं जिससे उत्तर प्रदेश की टीम उस ट्रॉफ़ी को फिर से जीत सके, जो हमने पहली बार 2015-16 में जीती थी। यह टूर्नामेंट चयनकर्ताओं को फ़रवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए भी एकदिवसीय टीम तय करने में सहायता करेगा। रिंकू के लिस्ट-ए आंकड़े बेहद प्रभावशाली हैं। उन्होंने 52 पारियों में 48.69 की औसत और 94.8 के स्ट्राइक रेट से कुल 1899 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। रिंकू इस टूर्नामेंट को अपनी योग्यता साबित करने के मौके के रूप में नहीं देख रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे भगवान पर भरोसा है। जब मैंने पिछले साल आईपीएल में लगातार पांच छक्के मारे थे, तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भारतीय टीम का हिस्सा बनूंगा। वह मेरी जि़ंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। आज भी मुझे लगता है कि अगर भगवान ने मेरे लिए कुछ तय किया है, तो मुझे वह ज़रूर मिलेगा, लेकिन इसके लिए मुझे अपनी मेहनत जारी रखनी होगी।

मैं दर्शकों की भावनाओं को समझता हूं, आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को बनाएंगे चैंपियन : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने वाले श्रेयस अय्यर का कहना है कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग को खिताब दिलाना है। अय्यर ने पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाया था। ऐसे में नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर वह लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। श्रेयस को जीत दिलाने के मकसद से पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर भी हैं।

बहरहाल, श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, क्योंकि भारत के बल्लेबाज ने कप्तान के रूप में 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

(एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टभ्म ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों पर विचार करते हुए, अय्यर ने आगामी आईपीएल सीज़न के लिए अपना उत्साह साझा किया।

अय्यर ने फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि एसएमएटी (सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी) जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

आईपीएल 2025 सीजन की तैयारी कर रहे श्रेयस का प्राथमिक लक्ष्य स्पष्ट है- पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल जीतना। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा साल रहा है। इस सीजन में चार ट्रॉफियां जीती। मेरा मुख्य लक्ष्य अब पंजाब के लिए आईपीएल जीतना है। मैं प्रशंसकों की भावना समझता हूं और रिकी पोंटिंग के साथ आने से खुश हूं। हम कई पहलुओं पर विचार-मंथन करेंगे और उम्मीद है कि पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

महान रेसलर रे मिस्टीरियो सीनियर का निधन, 30 साल की थी रैसलिंग

खेल डैस्क । प्रसिद्ध मैक्सिकन पहलवान रे मिस्टीरियो सीनियर का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि पहलवान का बीते 20 दिसंबर को ही निधन हो गया था लेकिन इसकी पुष्टि परिवार ने अब की है। मिस्टरियो सीनियर ने मेक्सिको में लुचा लिब्रे स्टाइल में प्रसिद्धि हासिल की थी। वर्ल्ड रेसलिंग एसोसिएशन और लुचा लिब्रे एएए वर्ल्डवाइड जैसे प्रमुख संगठनों के साथ उन्होंने कई चैंपियनशिप खिताब जीते थे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें 1990 में विश्व चैम्पियनशिप कुश्ती के स्टारकेड जैसे आयोजन भी शामिल थे। अपनी ऊंची उड़ान शैली और कुश्ती में योगदान के लिए जाने जाने वाले मिस्टीरियो ने दुनिया भर में अनगिनत प्रशंसकों और एथलीटों को प्रेरित किया। मिस्टरियो जिसका असली नाम मिगुएल एंजेल लोपेज डायस था, की मौत का खुलासा लुचा लिब्रे एएए ने एक्स अकाऊंट पर डाली एक पोस्ट से हुआ। उन्होंने उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं और अपनी गहरी संवेदनाएं भेजीं। पोस्ट में लिखा है- हमें मिगुएल एंजेल लोपेज डायस की संवेदनशील मौत पर अफसोस है, जिन्हें रे मिस्टीरियो सीनियर के नाम से जाना जाता है। हम उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनकी शाश्वत शांति के लिए स्वर्ग से प्रार्थना करते हैं।

क्या है लूचा लिबरे- लूचा लिबरे मैक्सिकन पेशेवर कुश्ती है। यह एक ऐसी शैली है जो आमतौर पर मैक्सिको से जुड़ी हुई है और अपने रंग-बिरंगे मुखौटों वाले कलाकारों और हवाई चालों के लिए जानी जाती है। इनके सभी पहलवान मुखौटे डालकर रिंग में आते हैं। इनमें रे मिस्टीरियो सबसे ज्यादा फेम्स हैं।

बांग्लादेश वेस्टइंडीज मैच में बल्लेबाज को आउट दिये जाने के बाद वापस बुलाया गया

जमैका । वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 189 रन बनाये। वहीं इसका पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 109 रन ही बना पायी और 81 रनों से हार गयी। ये मैच एक और कारण से चर्चाओं में आया है। इस मैच में बांग्लादेश के बल्लेबाज जेकर अली को रन आउट दिये जाने के बाद ड्रेसिंग रूम से वापस बुलाया गया। बांग्लादेश की पारी के 15वें ओवर की है। उस समय जेकर और शमीम हुसैन एक रन लेने दौड़े थे। ओवर की तीसरी गेंद को जेकर ने स्कायर लेग की ओर खेला था जिसके बाद वह एक रन लेने दौड़ गये। वहीं हुसैन ने उन्हें वापस जाने को कहा दिया। जेकर इस दौरान आधी पिच तक पहुंच गये थे उन्होंने दौड़ जारी रखी और क्रीज पर पहुंच गये। अंपायरों के रन आऊट दिये जाने वर वह ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ गए पर रिप्ले से पता चला कि वह क्रीज पार कर चुके थे जबकि हुसैन का बल्ला हवा में ही था। अंपायरों ने फौरन अपना फैसला बदलते हुए जेकर को वापस बुला लिया। बांग्लादेश की ओर से परवेज हुसैन ने 39 रन जबकि लिटन दास ने 14 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम में जेकर ने 41 गेंदों पर 3 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 72 रन बनाए। इसके अलावा मेहंदी हसन मिराज ने 29 रन बनाए। तंजीम ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाए और स्कोर 189 तक पहुंचा दिया। इसके बाद मेजबान वेस्टइंडीज टीम 109 रनों पर ही सिमट गयी और 81 रनों से मैच हार गयी। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो ने सबसे अधिक 33 रन बनाए। वहीं जॉनसन चार्ल्स ने भी 23 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से राशिद ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए।

वसीम अकरम जैसे गेंदबाज हैं बुमराह : लैंगर

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह पाकिस्तान के वसीम अकरम जैसा गेंदबाज है। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए हैं। बुमराह ने 10.90 की औसत से 21 विकेट लिए हैं। उन्होंने अब तक सीरीज में सलामी बल्लेबाजों को भी 4-4 बार आउट किया है। इसी को देखते हुए लैंगर ने कहा कि मैं भी उनका सामना नहीं करना चाहूंगा। वह अकरम की तरह गेंदबाजी करता है। वह एक प्रकार से अकरम का दाहिना हाथ का संस्करण नजर आता है। वहीं जब भी मुझसे यह सवाल पूछा जाता है कि आपके सामने अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज कौन है, तो मैं कहता हूं अकरम क्योंकि उनके पास अच्छी गति थी। वह हर बार एक ही स्थान पर गेंद डालते थे। उनके बास अच्छा बाउंस थ। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करवा लेते थे। इससा उनका सामना करना बेहद कठिन होता था। लैंगर ने कहा कि मुझे इसी प्रकार बुमराह का सामना करने से नफरत होगी। वह एक महान प्रतिस्पर्धी है, वह अच्छी गति से गेंदबाजी करता है और वह अद्भुत है। मैंने सीरीज की शुरुआत में कहा था, अगर बुमराह फिट रहते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए वास्तव में परेशानी साबित होगें जो सही रहा है। अगर वह यहां नहीं होते तो मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया आसानी से सीरीज जीत जेती। लैंगर ने यह भी कहा कि शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम अपनी बल्लेबाजी में कोई बदलाव नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें अब श्रृंखला में 1-1 से कोई बदलाव करते हुए नहीं देख सकता। कुछ खिलाड़ियों के बारे में कुछ चर्चा होगी, लेकिन मुझे लगता है कि वे इसे वैसे ही रखेंगे।

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। एनआरएआई द्वारा आईएसएसएफ से आधिकारिक पुष्टि प्राप्त करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसका अहसास हुआ था, लेकिन अब जब आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद जल्द उनके साथ इसे साझा करेंगे ताकि सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।''

इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।
लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।
कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।
एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।
उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।
मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।
एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।
जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।
एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।
जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।
जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।
जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?
मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया। इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।
जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई नाव दुर्घटना की जांच के लिए नौसेना समिति गठित, नौसेना प्रमुख द्वारा हादसे की समीक्षा

मुंबई। हाल ही में पर्यटकों को लेकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही नीलकमल नाव हादसे की जांच के लिए नौसेना समिति का गठन किया गया है। नाव हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि एक लापता है। बुधवार को हुए नाव दुर्घटना की जांच के लिए नौसेना की ओर से जांच समिति का गठन किया गया है। मालूम हो कि एलीफेंटा जा रही नीलकमल नाव नौसेना की स्पीडबोट की चपेट में आने से समुद्र में डूब गई। साथ ही इस हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। अब इस मामले की जांच के लिए नौसेना की एक कमेटी बनाई गई है।

– नौसेना प्रमुख द्वारा हादसे की समीक्षा

नाव हादसे के बाद नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। उन्होंने मृतकों और घायलों के बारे में जानकारी ली। नौसेना के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने स्पीड बोट की टक्कर को लेकर नौसेना की ओर से चल रही जांच की भी समीक्षा की। इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं मिल सकी है। सूत्रों ने कहा कि अधिक जानकारी जल्द ही स्पष्ट हो जाएगी क्योंकि त्रिपाठी एक त्वरित दौरे के बाद दिल्ली लौट गए।

दिल्ली, जम्मू-कश्मीर स ?हित कई राज्यों में बढ़ेगी सर्दी

– मौसम विज्ञान विभाग ने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भारत के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में शीत लहर की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में अगले कुछ दिनों तक शीत लहर की स्थिति बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में भी घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी में 22 और 23 दिसंबर को मध्यम से घना कोहरा रह सकता है, जिससे मौसम और भी ठंडा हो सकता है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, पूर्वी राजस्थान और झारखंड में भी 22 दिसंबर तक घना कोहरा रहने की संभावना है। इस दौरान, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड और मेघालय में कड़ाके की ठंड बनी रह सकती है। आईएमडी ने आगामी दिनों के लिए लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है और आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। कुछ क्षेत्रों में तामपान भी गिर सकता है, इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है। लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और आगामी दिनों में मौसम की जानकारी नियमित रूप से जांचते रहें।

सेना की सख्ती से पिछले 1 महीने से शांत है मणिपुर, 600 दिन के बाद आई है, मणिपुर में कुछ शांति

गुवाहाटी। मणिपुर की जातीय हिंसा 600 दिन से चल रही है। पिछले 1 महीने से कुछ शांति देखने को मिल रही है। मणिपुर में सामूहिक हिंसा की कोई घटना पिछले एक माह में नहीं हुई है। कुकी और मैतई समुदाय के प्रदर्शनों पर पूरी तरह से रोक लगी है। मणिपुर राज्य में सेना द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बड़े पैमाने पर उग्रवादी संगठनों द्वारा जो हथियार उपयोग में ले जा रहे थे। सेना ने उन्हें जप्त किया है। जिन इलाकों में उग्रवाद की सबसे ज्यादा घटनाएं हो रही थी। वहां पर सेना ने विशेष अभियान चलाया है। मणिपुर में 288 कंपनियां केंद्र सरकार द्वारा तैनात की गई हैं। 40000 से अधिक सेना के जवान पूरे मणिपुर में फैल गए हैं। पहली बार बड़े पैमाने पर सेना ने एक-47 सीरीज की 20 से अधिक राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल तथा सैकड़ो किलो आईडी बरामद करने में सफलता हासिल की है। सेना की सख्ती के बाद अब लोग खुद अपने हथियार सेना और पुलिस को सौंप रहे हैं। मणिपुर में लंबे समय के बाद शांति देखने को मिली है।

चीमा की बेटी की शादी में शामिल हुए राहुल गांधी

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता की बेटी की शादी में शामिल हुए। राहुल गांधी दोपहर चंडीगढ़ पहुंचे और पार्टी की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की ने उनकी अगवानी की। लक्की ने बाद में बताया कि राहुल गांधी चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में पंजाब के मोहाली जिले के एक रिसॉर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता आर एस चीमा की बेटी की शादी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि पंजाब के पूर्व महाधिवक्ता चीमा ने राहुल गांधी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि चीमा की बेटी की शादी थी और गांधी उसमें शामिल होने यहां आए थे। उन्होंने कहा कि शादी में शामिल होने के बाद कांग्रेस नेता दिल्ली लौट गए।

लीबिया में भारतीय कामगारों के समूह से संपर्क में भारतीय दूतावास

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि त्रिपोली स्थित भारतीय दूतावास लीबिया में भारतीय कामगारों के एक समूह की स्थिति पर 'करीब से नजर रखे हुए है' और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है, जो बिना उचित दस्तावेजों के साथ उस देश में गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उन भारतीय कामगारों के बारे में सवाल पूछा गया था जो लीबिया में एक सीमेंट कंपनी में काम रह रहे हैं और भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि कामगारों के लिहाज से निकास परमिट की व्यवस्था करने के लिए हमारा दूतावास लीबिया के अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा, ''ये भारतीय कामगार दुबई के रास्ते बेंगाजी पहुंचे थे। वे वहां गए थे, लेकिन उनके पास उचित दस्तावेज नहीं थे। जब वे उतरे, तब उनके काम को लेकर कुछ समस्याएं थीं... हमें इन कठिनाइयों के बारे में पता चला... त्रिपोली में हमारा दूतावास सक्रिय है। हमने वहां अपने समुदाय के माध्यम से अपने कामगारों से संपर्क किया।''

अब वे बाबा साहेब को छोटा कर राहुल गांधी के बराबर करना चाहते हैं

–बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. भीमराव आंबेडकर के अपमान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने हैं। वहीं बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने अराजकता फैलाई, वह आज आंबेडकर बनना चाहते हैं। गिरिराज ने कहा कि शायद किसी को यह गलतफहमी हो जाएगी कि राहुल गांधी आंबेडकर हो गए। जिस कांग्रेस का डीएनए भीमराव आंबेडकर को अपमानित करने का रहा है, वह उस पाप को कैसे धो पाएगा।

गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को भारत रत्न दे दिया, लेकिन बाबासाहेब को नहीं दिया। वहीं, अब वे लोग बाबा साहेब आंबेडकर को छोटा कर राहुल गांधी के बराबर करना चाहते हैं। राहुल की तुलना बाबा साहेब से करना निंदनीय है और इसके लिए उन लोगों को माफी मांगनी चाहिए। वहीं बीजेपी के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि सभी को संसदीय परंपराओं का पालन करना चाहिए, यह सभी का धर्म है। विपक्ष ने संसदीय परंपराओं का जितना उल्लंघन किया है, इससे उनको बचना चाहिए। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान पर कि कुछ लोग मंदिर-मस्जिद का मुद्दा उठाकर हिंदुओं को बड़े नेता बनना चाह रहे हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं है, दिनेश शर्मा ने कहा कि ऐसा वक्तव्य उन्होंने पहले भी दिया है। उनका मंतव्य यह है कि हम अपने धर्म का पालन करते समय अन्य मान्यताओं के अनुपालन से आगे बढ़ें और देश को अच्छे वातावरण और उन्नति की ओर ले जाएं। उन्होंने कहा कि मैंने मोहन भागवत का वक्तव्य अभी नहीं सुना, लेकिन सभी लोग एक-दूसरे की आस्था का सम्मान करें। साथ ही देश की तरक्की के लिए आगे आएं। यही सभी लोगों की इच्छा होती है।

सोरोस से मिलने को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने शशि थरूर को दिया जवाब

कहा–उस समय में राजपूत था और डिनर में मेहमानों की सूची थरूर ने दी थी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने 15 दिसंबर को कहा था कि मैं सोरोस से हरदीप पुरी के अमेरिका स्थित घर में मिला था। इसका जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि मैं उस वक्त राजदूत था। शशि थरूर यूपीए सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। मुझे डिनर में मेहमानों की सूची उन्होंने ही दी थी। दरअसल, 8 दिसंबर को बीजेपी ने गांधी परिवार पर अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस के फाउंडेशन से फंड लेने का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि भारत विरोधी सोरोस और कांग्रेस मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करना चाहते हैं। इसके बाद एक्स पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का 2009 का पोस्ट वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने लिखा– पुराने मित्र सोरोस से मुलाकात हुई। वे एक निवेशक ही नहीं, बल्कि दुनिया की चिंता करने वाले नागरिक भी हैं। थरूर ने अपनी इसी पोस्ट का जवाब देते हुए 15 दिसंबर को कहा था कि ये मुलाकात हरदीप पुरी (अब केंद्रीय मंत्री) के घर हुई थी। वे सिर्फ सोशल सेंस में मेरे दोस्त थे। मैंने उनसे एक रुपए भी नहीं लिया। इस पोस्ट के बाद मैं एक बार और उनसे मिला था। यह मुलाकात हरदीप पुरी के घर पर डिनर पार्टी में हुई थी।

प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा सदस्यता खतरे में, केरल हाईकोर्ट पहुंची नव्या हरिदास

*** चुनावी हलफनामे में जानकारी छुपाने का आरोप**

कोच्चि (एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा की सदस्यता खतरे में हैं। दरअसल, वायनाड लोकसभा सीट पर उनकी जीत को चुनौती देकर बीजेपी नेता नव्या हरिदास ने केरल हाईकोर्ट पहुंच गई है।

नव्या हरिदास ने वायनाड से बीजेपी के टिकट पर प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन वे प्रियंका गांधी से 5,12,399 वोटों से हार गई थीं। वे सीपीआई के सत्यन मोकेरी के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। केरल हाईकोर्ट के समक्ष अपनी याचिका में, नव्या ने तर्क दिया है कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय, उनके और उनके परिवार के स्वामित्व वाली विभिन्न संपत्तियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा दी थी।

हरिदास के अनुसार, प्रियंका गांधी ने मतदाताओं की पसंद को प्रभावित करने के इरादे से मतदाताओं को गुमराह किया, गलत जानकारी देकर अंधेरे में रखा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कई मौकों पर मतदाताओं पर

अनुचित प्रभाव डाला और कानून का उल्लंघन किया।

कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति

बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने चुनावी हलफनामे में बताया था कि उनके पास कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है, जबकि कुल अचल संपत्ति 13.89 करोड़ रुपये की है। वहीं प्रियंका ने बताया था कि उनके पति रॉबर्ड वाड्रा के पास कुल 37.91 करोड़ रुपये की चल संपति है। इस चुनावी हलफनामे के मुताबिक प्रियंका गांधी पर करीब 15 लाख 75 हजार रुपये का कर्ज है।

आंबेडकर पर शाह के बयान के विरोध में बसपा की 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करेगी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर संसद में जो बयान दिया है उससे सर्वसमाज के लोग काफी उद्वेलित और आक्रोशित हैं और पार्टी शाह के बयान के विरोध में 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करेगी। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, ''देश के दलित, वंचित व अन्य उपेक्षितों के आत्म-सम्मान व मानवीय हकूक के लिए अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान के रूप में असली ग्रंथ के रचयिता बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर भगवान की तरह परमपूजनीय हैं। अमित शाह ने उनका अनादर किया है जिससे लोग आहत हैं।'' बसपा प्रमुख ने पोस्ट में लिखा, ''ऐसे महापुरुष के बारे में शाह की संसद में टिप्पणी से पूरे देश में सर्वसमाज के लोग काफी उद्वेलित, आक्रोशित व आन्दोलित हैं। बसपा ने शाह से अपना बयान वापस लेने व पश्चाताप करने की मांग की है, जिसपर अभी तक अमल नहीं किया गया है।'' बसपा नेत्री मायावती ने कहा कि पार्टी ने अपनी मांग को लेकर 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करने का फैसला किया है। उस दिन देश के सभी जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा और कहा कि अगर कांग्रेस, भाजपा आदि दल बाबा साहेब का दिल से आदर-सम्मान नहीं कर सकते तो उन्हें उनका अनादर भी न करना चाहिए। गौरतलब है कि मंगलवार को संविधान पर राज्यसभा में बहस का जवाब देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, ''अभी एक फैशन बन गया है... आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'' शाह के इस बयान के लिए तीखी आलोचना हो रही है।

पोते की कस्टडी के लिए दादी ने लगाई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

बेंगलुरु (ईएमएस)। इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद 4 वर्षीय पोते के लिए दादी ने कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस याचिका के माध्यम से दादी ने बहू निकिता सिंघानिया से पोता दिलाने की मांग की है। अभी तक उनकी बहू ने उनका पोता कहां है, इसकी सही जानकारी नहीं दी है। ना ही उनके परिवार को बच्चों को सौपा है।जिसके कारण उन्होंने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की है। बहू निकिता ने पुलिस को जांच के दौरान बताया है। बच्चे को फरीदाबाद के एक बोर्डिंग स्कूल में दाखिल कराया गया है। बच्चों की देखरेख उसके चाचा सुशील सिंघानिया कर रहे हैं। सुशील ने इस जानकारी को झूठा बताया है। बच्चे के बारे में अनिभीज्ञता जताई है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति और कोटेश्वर सिंह की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक सरकारों को मामले पर सही स्थिति स्पष्ट करने के लिए नोटिस जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी को रखी गई है। आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष के भाई की ओर से दर्ज एफआईआर पर निकिता और उसके परिवार के अन्य सदस्यों को 16 दिसंबर को बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।सभी गिरफ्तार आरोपियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

संजय राउत ने दिए संकेत, बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ सकती है शिवसेना यूबीटी

इसका मतलब ये नहीं कि महाविकास अघाड़ी टूट गई

मुंबई (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद परिसर में हुए धक्काकांड को लेकर सियासत जारी है। इस बीच शिवसेना यूबीटी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत का बयान आया है। राउत ने धक्काकांड के बाद चोटिल सांसदों को लेकर कटाक्ष किया है। राउत ने कहा कि भाजपा सांसद अस्पताल में लेटकर कितना अच्छा अभियन करते हैं। इस दौरान राउत ने संकेत दिया है कि ठाकरे की शिवसेना बीएमसी का चुनाव अकेले लड़ सकती है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मामलों (भाजपा की शिकायत और कांग्रेस की शिकायत) को अपराध शाखा को सौंपने पर राउत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी सरकार मामले को ईडी और एफबीआई को दे सकती है, क्योंकि वे कुछ भी कर सकते हैं, वे फर्जी मामले दर्ज करते हैं। यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग है कि शिवसेना को मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का चुनाव अपने दम पर लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद उद्धव ठाकरे फैसला ले सकते है। इसका मतलब यह नहीं कि महाविकास अघाड़ी टूट गई है। इससे पहले जब हम बीजेपी के साथ थे तब भी हम अलग-अलग चुनाव लड़ चुके हैं।

उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने अर्बन नक्सल वाले बयान पर सीएम देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फडणवीस झूट बोलते हैं। लेकिन हाथ में कागज लेकर झूठ बोलना यह फडणवीस की आदत है। उन्होंने सदन में झूठ बोला है। राउत ने कहा कि वे अर्बन नक्सल की बात करते हैं, लेकिन भारत छोड़ो यात्रा में सभी समाज के लोग शामिल थे। लेकिन इनका कहना है कि काठमांडू में मीटिंग हुई, तब यह पीएम का फेल्योर है।

सांसदों के बीच धक्कामुक्की मामले में एसआईटी का गठन, जांच ने पकड़ी गति

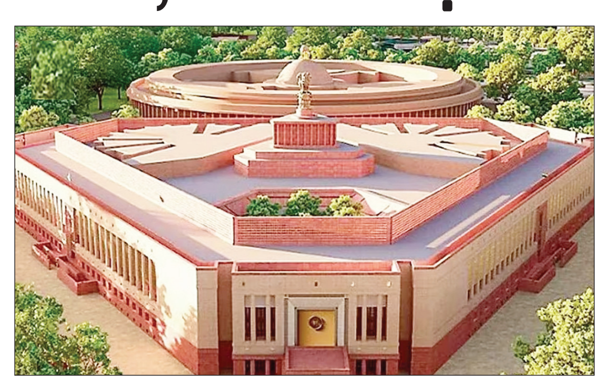

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में हुए धक्का-मुक्की मामले की जांच गति पकड़ने लगी है। मामले को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया है। इसकी जांच अब क्राइम ब्रांच की चाणक्यपुरी स्थित आईएससी यूनिट करेगी।

यह पूरा मामला संसद परिसर में सांसदों के बीच धक्कामुक्की का है, इसमें बीजेपी के दो सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल तक हो गए थे। दोनों का इलाज आरएमएल अस्पताल में चल रहा है। इस मामले की संजीदगी और गंभीरता को देखकर क्राइम ब्रांच की एक एसआईटी टीम का गठन किया गया है।

जांच में दो एसीपी भी शामिल

क्राइम ब्रांच की एसआईटी की टीम में 2 एसीपी, 2 इंस्पेक्टर और 3 सब इंस्पेक्टर शामिल है। जो सीधे डीसीपी को रिपोर्ट करने वाले है। इस मामले की जांच में 2 एसीपी को एसआईटी में इसलिए शामिल किया गया है कि क्योंकि मामला पॉलिटिकली हाई प्रोफाइल है।

अमूमन देखा गया है कि पॉलिटिकल हाई प्रोफाइल मामले हमेशा दिल्ली पुलिस की आईएससी क्राइम ब्रांच यूनिट को ही जांच दी जाती है। सूत्रों की मानें पार्लियामेंट एडमिस्ट्रेशन को सीसीटीवी फुटेज के लिए लेटर लिखा जाएगा, जिसमें घटना से जुड़ी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज काफी मायने रखती है।

बता दें कि दिल्ली पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचान, धारा 117 यानी स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना, धारा 125 यानी दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का काम, धारा 131 यानी आपराधिक बल का प्रयोग, धारा 351 यानी आपराधिक धमकी और धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। राहुल गांधी को मामले में पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

साइबर ठगी में महत्वपूर्ण होते हैं शुरुवाती दो से तीन घंटे, इस दौरान की शिकायत, पैसा मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपके साथ साइबर ठगी हुई है, और आप तीन से चार दिन बाद शिकायत करने जाते हैं, तब बहुत कम उम्मीद है कि आपका रुपया आपको मिल जाए। लेकिन सच ये हैं कि ठगी होने के एक से तीन घंटे महत्वपूर्ण घंटे होते हैं। अगर इस समय आप ठगी की शिकायत करते हैं, तब आपसे ठगी की रकम आपको वापस मिलने की उम्मीद बढ़ जाती है। अगर आपको लगता है कि आप साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं, तब आप सबसे पहले नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर के इस रिपोर्ट करें।

अपने पास इससे जुड़े हर तरह के सुबूत को एकत्रित कर के रखिए। अगर 1930 पर फोन नहीं उठता है, तब साइबर क्राइम की वेबसाइट पर रिपोर्ट करें। जानकार ने बताया कि जागरुकता के अभाव में आजकल लोगों के साथ तेजी से स्कैम हो रहे हैं। लोग अनजाने में ऐसी लिंक पर क्लिक कर देते हैं या इसतरह के एप डाउनलोड कर लेते हैं और फिर उनका सारा निजी डाटा अपराधियों के पास आ जाता है। इसलिए किसी भी लिंक या एप को डाउनलोड करने से पहले ये जरूर जांच ले कि वहां लिंक सही है भी या नहीं। जानकार ने कहा कि जब भी वे शेयर मार्केट में निवेश करें तब सेबी से पंजीकृत एप्लीकेशन का ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि मार्केट में इसतरह के शेयर मार्केट से बहुत सारे फर्जी एप्लीकेशन हैं जो लोगों के निवेश किए गए रुपयों की ठगी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजकल फोन पर पार्ट टाइम नौकरी के बहुत सारे संदेश आते हैं, जिसमें लिखा होता है घर बैठे 20 से 30 हजार कमाओ।

ये मैसेज केवल ठगी के लिए होते हैं। इसलिए इस तरह के मैसेज पर दी गई किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। उन्होंने कहा कि गूगल पर जब भी किसी वेबसाइट को सर्च करे, तब सबसे पहले स्पांसर्ड वेबसाइट आती है, ये स्पांसर्ड वेबसाइट अधिकतर जालसाजों की ओर से तैयार की गई हैं, जो हुबहू मूल वेबसाइट की तरह लगेंगी। इसलिए वेबसाइट सर्च करने के बाद आख मूंद कर वेबसाइट पर क्लिक करने से पहले देख ले कि कहीं ये स्पांसर्ड नहीं है।

आजकल बहुत सारे लोगों को काल आता है कि आपके नाम से एक पार्सल मिला है, जिसमें ड्रग्स, फर्जी पासपोर्ट, फर्जी सिम मिले हैं और कॉल करने वाला अपने आपको पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य जांच एजेंसी का अधिकारी बन के वीडियो कॉल करता है। आप कॉल से इतने डर जाते हैं कि एक-एक करके जालसाजों द्वारा मांगी जा रही जानकारियों को उनसे साझा करते हैं। फिर वे आपसे ही मांगी गई जानकारी से आपको गिरफ्तारी का वारंट दे देता है और दो से तीन दिन डिजिटल अरेस्ट कर के रखता है। यानी अपराधी आपको वीडियो कॉल बंद नहीं करने देता है और न ही किसी को फोन करने की अनुमति देता है। इस बीच वहां आपसे आपकी जमा पूंजी दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कराकर आपसे ठगी कर लेता है। सभी को ये जानना बहुत जरूरी है कि डिजिटल अरेस्ट

जैसा कोई कानून नहीं है। जब भी कभी ऐसा हो तब आप घबराएं नहीं और इसतरह के नंबरों को ब्लॉक कर दें या फोन काट दें। आपकी जागरुकता ही आपको इस तरह की ठगी से बचा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हिजबुल्लाह की कमान संभालेगा नसरल्लाह का बेटा?

ईरान, एजेंसी। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की इजरायली हमले में मौत के बाद पहली बार उसका बेटा सामने आया है। हसन नसरल्लाह का चौथा बेटा मोहम्मद मेहदी को ईरान के कौम शहर में देखा गया। गौर करने वाली बात यह थी कि मेहदी ने अपने पिता की ही जैसी पगड़ी बांध रखी थी। ऐसे में कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि आगे हिजबुल्लाह की कमान मेहदी के हाथों में भी दी जा सकती है। ईरान का यह शहर शिया मुसलमानों के धार्मिक केंद्र के तौर पर फेमस है। ईरान की मीडिया की मानें तो मोहम्मद मेहदी यहां लंबे समय से रह रहा है। वहीं ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के कहने पर उसने अपने पिता की पगड़ी पहनी है। नसरल्लाह के दूसरे बेटे मोहम्मद जावेद ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि वह अपने पिता की ही पगड़ी पहने हुए था। मोहम्मद मेहदी यहां लंबे समय से धार्मिक शिक्षा ले रहा था। शिक्षा पूरी होने पर उसे काली पगड़ी दी गई है। बता दें कि हसन नसरल्लाह के पांच बेटे और बेटियां थीं। हादी, जैनब, मोहम्मद जावेद, मोहम्मद मेहदी और मोहम्मद अली। 27 सितंबर को बेरूत में हिजबुल्लाह चीफ को इजरायल ने मार दिया था। हादी को 1997 में ही मार दिया गया था। उस वक्त वह 18 साल का ही था। हसन नसरल्लाह की मौत के बाद हिजबुल्लाह ने नईम कासिम को अपना नया चीफ नियुक्त करदिया था। वह पहले हिजबुल्लाह का डिप्टी सेक्रेटरी जनरल था। वह लंबे समय से नसरल्लाह का नंबर टू था। बताया यह जा रहा था कि पहले सफीद्दीन हिजबुल्लाह को हिजबुल्लाह चीफ बनाने का प्लान था लेकिन उसे भी इजरायल ने ढेर कर दिया था। सफीद्दीन भी नसरल्लाह की तरह काली पगड़ी पहनता था। बताया जाता है कि यह पगड़ी पैगंबर मोहम्मद साहब के वंशज होने का प्रतीक मानी जाती है।

बांग्लादेश को भाई बताने लगा पाकिस्तान, शहबाज शरीफ और मोहम्मद यूनुस का क्या है आगे का प्लान

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रिश्ते मजबूत होते नजर आ रहे हैं। इसके संकेत हाल ही में हुई पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अंतरिम सरकार में मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की मुलाकात से मिल रहे हैं। खबर है कि शरीफ सरकार ने यूनुस को पाकिस्तान आने का न्योता भी दिया है। दोनों मुल्कों ने रणनीतिक संबंध मजबूत करने की बात पर जोर दिया है। शरीफ ने कहा, हम वास्तव में अपने भाई देश बांग्लादेश के साथ हमारे रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने बांग्लादेश की सरकारी शक्कर मिलों के प्रबंधन के लिए भी तकनीकी मदद मुहैया कराने की पेशकश की है। साथ ही डेंगू के चलते हुई बांग्लादेश में मौतों पर भी दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को इस बीमारी से लड़ने में पाकिस्तान के अनुभव का फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा, करीब एक दशक पहले पंजाब में डेंगू के खिलाफ हमारी जंग को वर्ल्ड क्लास माना गया था। हम बांग्लादेश के साथ अनुभव साझा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेज सकते हैं। इधर, यूनुस ने शरीफ की तरफ से हुई मदद की पेशकश पर धन्यवाद किया है।

पुतिन बोले- BRICS को लेकर जयशंकर ने ठीक कहा था, हम किसी के खिलाफ नहीं, यूक्रेन जंग रोकने पर ट्रम्प से बात करने को तैयार

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को साल 2024 के आखिरी संबोधन में 3 घंटे 17 मिनट तक जनता के सवालों के जवाब दिए। इसमें उनसे यूक्रेन जंग के अलावा, BRICS, सीरिया, इकोनॉमी, महंगाई जैसे मुद्दों पर सवाल पूछे गए थे। BRICS को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने एस जयशंकर का नाम लिया। पुतिन ने कहा कि BRICS किसी के खिलाफ काम नहीं कर रहा है। हम सिर्फ अपनी भलाई और संगठन के हित के लिए काम करते हैं। हम हम किसी भी तरह का एजेंडा नहीं चला रहे हैं। भारत और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे सबसे अच्छे तरीके से कहा था कि ब्रिक्स पश्चिमी विरोधी नहीं है। बस इसमें पश्चिम (देश) शामिल नहीं है। पुतिन ने यह भी कहा कि वे यूक्रेन जंग को रोकने के लिए तैयार हैं। इसके लिए वे ट्रम्प से बातचीत करने को तैयार हैं।

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई बोले- औरतें नाजुक फूल, नौकरानी नहीं, उन पर बच्चा पैदा करने की जिम्मेदारी, आदमी परिवार का खर्च उठाने को जिम्मेदार

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पिछले कुछ वक्त से महिला अधिकारों और हिजाब को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी बीच बुधवार को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने महिलाओं को लेकर कई सोशल मीडिया पोस्ट किए। खामनेई ने कहा कि महिलाएं फूल की तरह हैं, इनकी देखभाल की जानी चाहिए। परिवार का खर्च उठाने कि जिम्मेदारी पुरुष की है, जबकि महिलाओं पर बच्चे पैदा करने की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने वेस्टर्स कल्चर को अनैतिक बताया। ईरान में कुछ दिन पहले महिला सिंगर परस्तू अहमदी की गिरफ्तारी के बाद हिजाब कानून को लेकर बहस तेज हो गई है।

बांग्लादेश का अडाणी पर बिजली समझौते के उल्लंघन का आरोप, रॉयटर्स का दावा- भारत से मिलने वाला टैक्स बेनिफिट रोका

ढाका, एजेंसी। अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप में घिरे अडाणी ग्रुप की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारतीय बिजनैसमेन गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पावर पर अरबों डॉलर के बिजली समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। रॉयटर्स ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि इस समझौते के तहत जिस पावर प्लांट को लेकर डील की गई है, उसे भारत सरकार से टैक्स बेनिफिट मिल रहा है। इस बेनिफिट को अडाणी पावर बांग्लादेश को ट्रांसफर नहीं कर रहा है।

बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार ने 2017 में अडाणी पावर के साथ बिजली की खरीद को लेकर समझौता किया था। इस समझौते के तहत अडाणी पावर झारखंड में मौजूद अपने पावर प्लांट से बांग्लादेश को बिजली सप्लाई कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश इस समझौते पर फिर बातचीत करना चाह रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्लांट से मिल रही बिजली दूसरे प्लांट्स की तुलना में मंहगी है। रायटर्स ने अपनी रिपोर्ट में डील से जुड़े दस्तावेजों और 7 अधिकारियों के इंटरव्यू का हवाला दिया है। अडाणी ने लेटर का जवाब नहीं दिया भारत सरकार ने 2019 में अडाणी के इस पॉवर प्लांट को स्पेशल इकोनॉमिक जोन (श्वर्श्व) का हिस्सा घोषित किया था। इसके बाद इस प्लांट को इनकम टैक्स समेत कई दूसरे टैक्स में छूट का लाभ मिला। समझौते के मुताबिक इसकी

जानकारी बांग्लादेश को देना थी और टैक्स में मिलने वाली छूट से होने वाला बेनिफिट बांग्लादेश को ट्रांसफर करना था। रॉयटर्स ने 17 सितंबर और 22 अक्टूबर के दो लेटर का जिक्र किया है। इनमें बांग्लादेश ने अडाणी से डील के मुताबिक बेनिफिट ट्रांसफर करने के लिए कहा था, लेकिन अडाणी पावर ने ऐसा नहीं किया। रॉयटर्स ने दो बांग्लादेशी अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि अडाणी ने दोनों लेटर्स का कोई जवाब नहीं दिया है। अगर टैक्स में मिलने वाली छूट बांग्लादेश को ट्रांसफर होती तो, बिजली की कीमत में लगभग 0.35 पैसे प्रति यूनिट की बचत होती।

लंबी दूरी की मिसाइल बना रहा पाकिस्तान, प्रोग्राम से जुड़ी 4 कंपनियों पर बैन लगाया, कहा- इससे सामूहिक विनाश का खतरा : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तान पर लंबी दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने का आरोप लगाया। मिसाइल प्रोग्राम से जुड़ी पाकिस्तान की 4 कंपनियों पर बैन लगाया है। इनमें पाकिस्तान की सरकारी एयरोस्पेस और डिफेंस एजेंसी, नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलेक्स भी शामिल है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा : हम पाकिस्तान की उन चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, जो लॉन्ग रेंज वाली विनाशकारी बैलिस्टिक मिसाइल के प्रोग्राम में शामिल हैं। इनमें एफिलिएट्स इंटरनेशनल, अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, रॉकसाइड एंटरप्राइज कंपनियां हैं। पाकिस्तान के खिलाफ जारी रहेगी अमेरीकी कार्रवाई न्यूज एजेंसी ,ह्वह्व ने अमेरिका के हवाले से बताया कि बैन की गई चारों कंपनियां पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए जरूरी टूल मुहैया करा रही थीं। अमेरिका आगे भी इस तरह की एक्टिविटी के खिलाफ एक्शन लेता रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान की शाहीन-सीरीज बैलिस्टिक मिसाइलें ह्वष्ठ्ठ की मदद से ही तैयार की गई हैं। इसके अलावा कराची की अख्तर एंड संस प्राइवेट कंपनी पर आरोप है कि उसने मिसाइल से जुड़ी मशीनों को खरीदने में ह्वष्ठ्ठ की मदद की है। वहीं, एक और पाकिस्तानी कंपनी रॉकसाइड इंटरप्राइज और एफिलिएट इंटरनेशनल पर भी पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम में सहयोग करने का आरोप है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए तकनीक सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया था। इस लिस्ट में बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल थी। कितनी ताकतवर है पाकिस्तान की शाहीन बैलिस्टिक मिसाइल नवबंर 2019 में पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम शाहीन-1 मिसाइल का परीक्षण किया था। इसकी रेंज 650 किमी तक है।

मेलोनी ने मस्क से दोस्ती पर विरोधियों को दिया जवाब-बोलीं- वे मेरे अच्छे दोस्त, किसी का गुलाम बन आदेश नहीं मानती

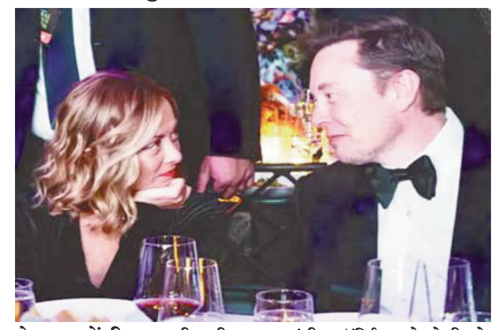

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अमेरिकी कारोबारी इलॉन मस्क के साथ दोस्ती को लेकर उठ रहे सवालों पर जवाब दिया है। उन्होंने बुधवार को इटली की संसद में कहा कि वे मस्क की दोस्त हैं, लेकिन इससे उनके कारोबारी रिश्ते को कोई फायदा नहीं होगा।

मैं इलॉन मस्क की दोस्त और इटली की प्रधानमंत्री दोनों ही एक साथ हो सकती हूं। मेरे और भी कई लोगों के साथ अच्छे संबंध हैं लेकिन मैं किसी के आदेश पर काम नहीं करती हूं। दरअसल, इसी साल सितंबर में इलॉन मस्क के साथ मेलोनी की न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात से जुड़ी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। इसमें ये भी दावे किए गए थे कि मस्क और मेलोनी एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मेलोनी ने इटली के विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा- वे सोचते हैं कि एक विदेशी नेता के साथ मेरी बहुत अच्छी दोस्ती है तो मैं उनकी गुलाम बनकर उनके बताए किसी भी बात को मान लेती हूं लेकिन ऐसा नहीं है। मैं किसी के आदेश को नहीं मानती हूं। इटली में उद्योग लगाने को लेकर प्रधानमंत्री मेलोनी की मुलाकात कई बार मस्क से हो चुकी है। इटली सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार किया है, जिसके तहत मस्क की 'स्पेस एक्स' जैसी विदेशी कंपनियों के लिए वहां काम करना आसान हो गया है। इटली सरकार की इस फ्रेमवर्क के मुताबिक साल 2026 तक इटली में 730 करोड़ रुपए तक निवेश होने का अनुमान है।

यूएन में पेश पाकिस्तानी प्रस्ताव में कश्मीर का जिक्र नहीं

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की तरफ से कुछ दिन पहले यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली की थर्ड कमेटी में वार्षिक रिजॉल्यूशन पेश किया गया था। इस रिजॉल्यूशन को बिना वोटिंग के ही स्वीकार कर लिया गया था। इसके बाद कुछ विदेशी मीडिया खास कर पाकिस्तान मीडिया ने इसे कश्मीर से जोड़कर पेश किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर एक स्पष्टीकरण जारी किया है। ANI के मुताबिक विदेश मंत्रालय का कहना है कि इस पाकिस्तानी रिजॉल्यूशन से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसमें जम्मू कश्मीर का भी कोई जिक्र नहीं है। बता दें कि UNGA की थर्ड कमेटी हर साल बच्चों की सुरक्षा, शरणार्थियों की समस्याएं और नस्लवाद जैसे सामाजिक, मानवीय और मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करती है। ह्वन्न की बैठक सितंबर से दिसंबर तक चलती है, इस दौरान सभी देश अपने सोशल मुद्दे इस मंच पर रखते हैं। साल 1945 में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन की एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। ये कॉन्फ्रेंस 25 अप्रैल से 26 जून तक चली और 50 देशों के प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य देशों के बीच शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना था। ह्व का हेडक्वार्टर न्यूयॉर्क में है। इसकी जनरल असेंबली में 193 सदस्य देश हैं।

अमेरिका बोला- पाकिस्तान के नए मिसाइल प्रोग्राम से हमें खतरा, इससे उनके इरादों पर सवाल उठ रहे; चार डिफेंस कंपनियों पर बैन लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डिप्टी NSA जॉन फाइनर (उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) ने गुरुवार को कहा है कि पाकिस्तान के एडवांस मिसाइल प्रोग्राम से अमेरिका को भी खतरा है। ये मिसाइलें एशिया के बाहर अमेरिका तक हमला कर सकती हैं। इससे पाकिस्तान के इरादों पर सवाल खड़ा होता है।

फाइनर ने बताया कि पाकिस्तान ने एडवांस मिसाइल तकनीक हासिल कर ली है। इसमें लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम और बड़े रॉकेट मोटर्स के परीक्षण शामिल हैं। अगर पाकिस्तान का ये रवैया जारी रहता है तो पाकिस्तान के पास एशिया के अलावा अमेरिका तक हमला करने की क्षमता होगी।

पाकिस्तान अमेरिका के लिए नई चुनौती फाइनर ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा बनता दिखाई दे रहा है। फाइनर के मुताबिक ऐसे सिर्फ तीन ही देश हैं जिनके पास परमाणु हथियार और अमेरिका तक मिसाइल हमला करने की क्षमता है। इनमें रूस, चीन और नॉर्थ कोरिया शामिल हैं। ये तीनों ही देश अमेरिका के विरोधी हैं। ऐसे में पाकिस्तान के ये कदम अमेरिका के लिए एक नई चुनौती की तरफ उभर रहा है। पाकिस्तान का ये कदम चौकाने वाला है क्योंकि वह अमेरिका का सहयोगी देश रहा है। हमने पाकिस्तान के सामने कई बार अपनी चिंता जाहिर की है। हमने उसे मुश्किल समय में समर्थन

दिया है और आगे भी सहयोगी संबंध बनाए रखने की इच्छा रखते हैं। ऐसे में पाकिस्तान का ये कदम हमें ये सवाल करने पर मजबूर करता है कि वह ऐसी क्षमता हासिल क्यों करना चाहता है, जिसका इस्तेमाल हमारे खिलाफ किया जा सकता है।

पाकिस्तान की 4 डिफेंस कंपनियों पर बैन लगाया

अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तान पर लंबी दूरी की मिसाइल बनाने के आरोप में उसकी 4 डिफेंस कंपनियों पर बैन लगाया था। इनमें पाकिस्तान की सरकारी एयरोस्पेस और डिफेंस एजेंसी, नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलेक्स भी शामिल है। इसके अलावा एफिलिएट्स इंटरनेशनल, अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, रॉकसाइड एंटरप्राइज पर भी बैन लगाया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान की शाहीन-सीरीज बैलिस्टिक मिसाइलें NDC की मदद से ही तैयार की गई हैं। इसके अलावा कराची की अख्तर एंड संस प्राइवेट कंपनी पर आरोप है कि उसने मिसाइल से जुड़ी मशीनों को खरीदने में NDC की मदद की है।

इससे पहले इसी साल अप्रैल में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए तकनीक सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया था। इस लिस्ट में बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल थी। नवबंर 2019 में पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम शाहीन-1 मिसाइल का परीक्षण किया था। इसकी रेंज 650 किमी तक है। ये सभी तरह के हथियार ले जा सकती है। इसके अलावा पाकिस्तान शाहीन-2 और शाहीन-3 मिसाइल का परीक्षण भी कर चुका है।

रूस की कैंसर वैक्सीन की कीमत 2.5 लाख रुपए, दोबारा कैंसर होने का जोखिम नहीं, जल्द एक और वैक्सीन का ऐलान करेगा रूस

मॉस्को, एजेंसी। रूस के कैंसर वैक्सीन के ऐलान के बाद से दुनियाभर के कैंसर मरीजों में उम्मीद जगी है। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई काप्रिन के मुताबिक, रूस की इस कैंसर वैक्सीन को अलग-अलग तरह के मरीजों के लिए अलग-अलग बनाया जाएगा।

इस खासियत की वजह से इसकी कीमत करीब 2.5 लाख रुपए होगी। रूसी नागरिकों को ये वैक्सीन मुफ्त में मिलेगी। हालांकि दुनिया के बाकी देशों के ये वैक्सीन कब मिलेगी, इसके बारे में काप्रिन ने कोई जानकारी दी है। काप्रिन ने बताया कि प्रीक्लिनकल ट्रायल में वैक्सीन प्रभावी साबित हुई है। इससे ट्यूमर का विकास धीमा होने के साथ उस पर 80त्न तक कमी देखी गई है। इस वैक्सीन को मरीजों के ट्यूमर सेल्स के डेटा के आधार पर स्पेशल प्रोग्राम के जरिए डिजाइन किया जाता है।

वैक्सीन के काम करने का पूरा प्रोसेस : रूस की फेडरल मेडिकल बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख

वेरोनिका स्वोर्त्सकोवा ने वैक्सीन के काम करने के तरीके को मेलानोमा (स्किन कैंसर) से समझाया है। सबसे पहले कैंसर के रोगी में से कैंसर सेल्स का सैंपल लिया जाता है। इसके बाद वैज्ञानिक इस ट्यूमर के जीन की सीक्वेंसिंग करते हैं। इसके जरिए कैंसर सेल्स में बने प्रोटीन की पहचान की जाती है। प्रोटीन की पहचान के बाद पर्सनलाइज्ड mRNA वैक्सीन बनाई जाती है। र को लगने वाली कैंसर वैक्सीन शरीर को ञ्ज सेल्स बनाने का आदेश देती है। अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के कैंसर एक्सपर्ट एलियास सयूर के मुताबिक इस तकनीक से बन रही वैक्सीन ने ब्रैन कैंसर के लिए 48 घंटों से भी कम वक्त में असर दिखा दिया था। इस थेरेपी के तहत लैब में मॉडिफाई किए गए इंसानी वायरस से कैंसर सेल्स को टारगेट कर संक्रमित किया जाता है। इससे वायरस कैंसर सेल्स में खुद की मल्टीप्लाय करता है। इसका नतीजा ये होता है कि कैंसर सेल नष्ट हो जाती है। यानी इस थेरेपी में ट्यूमर को सीधे तौर पर नष्ट करने बजाय इम्युनिटी को सक्रिय करके कैंसर सेल्स नष्ट किया जाता है।

पत्नी का रेप कराने वाले को 20 साल की सजा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में पत्नी को नशीली दवाएं खिलाकर 10 साल तक अनजान पुरुषों से रेप करवाने वाले पति और दुष्कर्म के अन्य 50 आरोपियों को 20 साल की सजा सुनाई गई है। दक्षिणी फ्रांस की एविग्नन कोर्ट ने गुरुवार को इसे लेकर फैसला सुनाया। 72 साल के आरोपी पति का नाम डोमिनिक पेलिकॉट है। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक डोमिनिक की पत्नी गिजेल पेलिकॉट के साथ दुष्कर्म के 91 मामले सामने आए थे। इनमें 72 आरोपियों की पहचान हुई थी, जिनमें से 51 को गिरफ्तार कर लिया गया था। ये सभी आरोपी इंटरनेट के जरिए डोमिनिक के संपर्क में आए थे। 51 आरोपियों में 50 को रेप का आरोपी ठहराया गया है। इसके अलावा एक आरोपी ने गिजेल से माफी मांगी थी, उसे यौन उत्पीड़न का दोषी करार दिया गया है। सुनवाई के दौरान 51 आरोपियों में से 32 जमानत पर बाहर थे। इसे लेकर गिजेल ने नाराजगी भी जताई थी। पांच जजों की बेंच जब सजा का ऐलान कर रही थी, उस समय पीड़ित महिला भी कोर्ट रूम पहुंची थी। पांच जजों की बेंच जब सजा का ऐलान कर रही थी, उस समय पीड़ित महिला भी कोर्ट रूम पहुंची थी।

दुष्कर्म करने वालों में बैंक कर्मी और पत्रकार भी शामिल : महिला से रेप करने वाले आरोपियों में फायरमैन, लॉरी ड्राइवर, नगर निगम पार्षद, बैंक कर्मी, जेल गार्ड, नर्स और पत्रकार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक इनमें से कई ने महिला के साथ एक बार तो कई ने 6 बार तक दुष्कर्म किया। इन आरोपियों की उम्र 26 से 73 साल के बीच है।

आधुनिक और लोकतांत्रिक देश की पहचान रखने वाले फ्रांस में इस मामले के बाद लोगों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बहस छिड़ गई थी। मामला सामने आने के बाद फ्रांस के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन भी हुए थे। गुरुवार यानी आज सुनवाई के दौरान भी कोर्ट रूम के बाहर कई प्रदर्शनकारी पहुंचे थे।

पुलिस के मुताबिक आरोपी पेलिकॉट एक वेबसाइट के लिए जरिए पुरुषों के संपर्क में आता था और उनको बुलाता था। पत्नी को गहरी नींद में सुलाने के लिए वह खाने-पीने की चीजों में नींद की गोलियां मिला देता था। इसके बाद वह लोगों से रेप कराता था। वह वारदात की वीडियो भी बनाता था। रिपोर्ट के मुताबिक रेप की वारदात को 2011 से 2020 तक अंजाम दिया गया। महिला के वकील का कहना है कि पत्नी को इतनी अधिक बेहोशी की हालत में रखा जाता था कि उसे इस अपराध के बारे में कभी पता नहीं चल पाया। उसे इससे जुड़ी एक भी घटना याद नहीं है। वकील ने बताया कि जब पुलिस ने 2020 में एक अपराध की जांच के सिलसिले में महिला को बुलाया तब उसे इस चौंकाने वाली कहानी का पता चला।

ढाका में भारतीय और बांग्लादेशी मौलानाओं के समर्थकों में झड़प

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 40 किमी दूर टोंगी कस्बे में इज्तिमा के आयोजन को लेकर मंगलवार को मौलानाओं के दो गुटों में हंगामा हो गया। इस हंगामे में भारत के मौलाना साद और बांग्लादेश के मौलाना जुबैर के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हुई। मारपीट में 4 लोगों की मौत हो गई है, इसके अलावा सौ से ज्यादा लोग घायल हैं।

पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों ने 7 लोगों की मौत का दावा किया है। प्रशासन ने इलाके में धारा 144 लागू कर सेना को तैनात कर दिया है। टोंगी में झड़प के बाद घायलों को ढाका के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां एक बार फिर दोनों गुटों में भिडंत हो गई। बांग्लादेश पुलिस के मुताबिक मौलाना साद के समर्थक (सादपंथी) शुक्रवार, 20 दिसंबर से टोंगी मैदान में 5 दिवसीय इज्तिमा आयोजित करना चाहते हैं। मौलाना जुबैर के समर्थक उन्हें यहां इज्तिमा नहीं करने देना चाहते। इसके चलते जुबैर के समर्थकों ने पहले से ही इज्तिमा मैदान पर कब्जा कर लिया। मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे मौलाना साद के समर्थक मैदान में पहुंच गए थे। इसके बाद झड़प शुरू हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद से जुबैर समर्थक दो चरणों में होने वाले टोंगी इज्तिमा को एक चरण में करने की मांग कर रहे हैं। जुबैर समर्थकों का आरोप है कि हसीना की पार्टी ने मुस्लमानों को बांटने के लिए इज्तिमा को दो चरणों में शुरू किया था। दूसरी ओर जुबैर समर्थकों ने मौलाना साद के समर्थकों पर भारत के एजेंट होने का आरोप

लगाया है। अक्टूबर से साद के समर्थकों के खिलाफ रैलियां करना शुरू कर दिया था।

कौन है मौलाना साद : मौलाना मोहम्मद साद कंधलवी एक भारतीय मुस्लिम स्कॉलर और प्रचारक हैं। वे तबलीगी जमात के संस्थापक मोहम्मद इलियास कंधलवी के परपोते हैं। मौलाना साद तबलीगी जमात के निजामुद्दीन धड़े के प्रमुख हैं। मौलाना साद को 2017 में आल इंडिया और टोंगी इज्तिमा (बांग्लादेश) का प्रमुख चुना गया था। इसके बाद से मौलाना साद और जुबैर के पक्षों में विवाद शुरू हो गया था। टोंगी में 2011 से इज्तिमा दो चरणों में होता है। पहले मौलाना जुबैर के समर्थक और बाद में मौलाना साद के समर्थक इज्तिमा का आयोजन करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र के ठाणे में पांच करोड़ की घरफोड़ चोरी का मामला

सूरत क्राइम ब्रांच के संयुक्त ऑपरेशन के तहत पांच अपराधियों को गिरफ्तार, 29 लाख से अधिक के गहने और अन्य सामान बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महाराष्ट्र के ठाणे में पांच करोड़ की घरफोड़ चोरी का मामला सुलझ गया है। सूरत क्राइम ब्रांच के संयुक्त ऑपरेशन के तहत पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में 29 लाख से अधिक के गहने और अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में स्थित वामन शंकर मराठे नाम के ज्वेलर्स में 5 करोड़ से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के आभूषणों की घरफोड़ चोरी के मामले को कुछ ही दिनों में सुलझा लिया गया है। ठाणे क्राइम ब्रांच और सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर राजस्थान के पांच शातिर अपराधियों को सूरत से गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से 29 लाख से अधिक के आभूषण और अन्य सामान जब्त किए गए हैं।

ठाणे शहर के नौपाड़ा क्षेत्र में डॉ. आंबेडकर चौक के पास स्थित वामन शंकर मराठे ज्वेलर्स की दुकान में 17 दिसंबर 2024 को अज्ञात व्यक्तियों ने शटर तोड़कर घरफोड़ चोरी की थी। इस चोरी में कुल 5.79 करोड़ रुपये के सोने और चांदी के आभूषण चोरी हुए थे। नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में इस घटना की शिकायत दर्ज होने के बाद ठाणे क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू की थी।

सूरत शहर में संयुक्त ऑपरेशन ठाणे क्राइम ब्रांच ने सूरत क्राइम ब्रांच से संपर्क किया था। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने तकनीकी निगरानी और मानव खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपियों के स्थानीय ठिकानों की जानकारी जुटाई। 20 दिसंबर 2024 को सूरत के सग्रामपुरा और वराछा इलाकों से राजस्थान के पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

जब्त माल

-सोने के आभूषण: 484 ग्राम
-चांदी के आभूषण और सिक्के: 5.5 किलोग्राम
-मोबाइल फोन: 7
-कुल जब्त माल की कीमत: 29,15,340

गिरफ्तार आरोपी

1.नागजीराम प्रतापजी मेघवाल (उम्र 29): मूल निवासी राजस्थान के जालोर जिले का, और सूरत के नालियावाड़ क्षेत्र में आशीर्वाद कोल्ड ड्रिंक्स के पास रह रहा था।
2.लीलाराम उर्फ निलेश मेघवाल (उम्र 24): मूल निवासी जालोर, राजस्थान।
3.जेसाराम उर्फ जे.डी. कलबी (चौधरी) (उम्र 32): जालोर जिले के जुजाणी गांव का निवासी।
4.चुनीलाल उर्फ सुमत प्रजापति (उम्र 33): सिरोही जिले के ननारी गांव का निवासी।
5.डोनाराम उर्फ दिलीप मेघवाल (उम्र 24): राजस्थान के जालोर जिले का निवासी।

इन सभी आरोपियों का आपराधिक इतिहास है, और वे राजस्थान और गुजरात में विभिन्न अपराधों में शामिल रहे हैं।
-नागजीराम और लीलाराम: ये दोनों पहले सूरत के कापोदरा पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के मामलों में गिरफ्तार हो चुके हैं।
-चुनीलाल: 2012 में राजस्थान में हत्या के एक मामले में फंसा था।
-डोनाराम: इस पर छेड़छाड़ का आरोप है।

सूरत और ठाणे क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने इस ऑपरेशन में तेज़ और प्रभावी कार्रवाई की, जिससे चोरी में गुम हुए माल का बड़ा हिस्सा बरामद करने में सफलता मिली। इस कार्रवाई से चोरी में शामिल राष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क को तोड़ने में भी मदद मिली है।

फोस्टा द्वारा मनाया गया "विश्व साड़ी दिवस"

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, 21/12 को "विश्व साड़ी दिवस" के रूप में मनाया जाता है और सूरत शहर पूरी दुनिया में साड़ी के लिए जाना पहचाना नाम है। भारत के गाँव से लेकर शहरो तक एवं रिटेल स्टोर से लेकर होलसेल काउंटर तक सूरत की साड़िया पहुचती है। भारतीय महिलाओ की पहली पसंद सूरत की साड़ी है। साड़ी केवल एक परिधान के रूप में नही, बल्कि भारतीय सभ्यता, परंपराओं और नारीशक्ति का प्रतिक है।

इस अवसर पर अध्यक्षश्री कैलाश हाकिम ने बताया कि आज की पीढ़ी, जो वेस्टर्न फैशन की ओर तेजी से बढ़ रही है, उसे यह समझना जरुरी है कि हमारी अपनी संस्कृति कितनी समृद्ध और खुबसूरत है। साड़ी न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि यह भारतीय महिलाओ की गरिमा और सौन्दर्य को भी दर्शाती है।

साड़ी: हमारी संस्कृति की शान, हमारी परंपरा की पहचान
"साड़ी: परिधान नही, भारतीयता का प्रतिक"
"अपनी जड़ो से जुड़े, साड़ी अपनाएं"

आठ सौ नोटबुक का किया वितरण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा एसएमसी स्कूल में आठ सौ नोटबुक का वितरण किया गया। महिला शाखा अध्यक्ष सोनिया गोयल एवं सुषमा दारुका ने बताया की बाल वाटिका से आठवीं कक्षा के छात्रों को नोटबुक वितरण की गई। आयोजन में बच्चों को गेम खिलाए एवं ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी की अध्यक्षता में सूरत जिले की समन्वय और शिकायत समिति की बैठक आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी की अध्यक्षता में सूरत जिले की समन्वय और शिकायत समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विधायकों मनुभाई पटेल, संदीप देसाई, मोहनभाई ढोडिया, अरविंद राणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जनता की समस्याओं को लेकर प्रमुख मांगों और मुद्दों को उठाया।

इस बैठक में प्रॉपर्टी कार्ड, हाई-टेंशन लाइनों, ई-श्रम कार्ड धारकों को मिलने वाले लाभ, स्कूल स्तर पर आईडी कार्ड से जुड़ी समस्याएं, और विकास परियोजनाओं सहित विभिन्न मुद्दों को गंभीरता से प्रस्तुत किया गया।

सससस विधायकों की मुख्य मांगें

1.प्रॉपर्टी कार्ड : कार्ड वितरण में आ रही समस्याओं को सुलझाने की मांग।
2.हाई-टेंशन लाइनों का मुद्दा : रिहायशी इलाकों में सुरक्षा को लेकर समाधान।
3.ई-श्रम कार्ड : धारकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की अपील।
4.स्कूल आईडी कार्ड : छात्रों को समय पर आईडी कार्ड उपलब्ध कराने की समस्या।
5.विकास परियोजनाएं : अधूरे प्रोजेक्ट्स को जल्द पूरा करने की मांग।

हाई-टेंशन लाइनों को भूमिगत करने की मांग विधायक मनुभाई पटेल ने उधना-भेस्तान क्षेत्र में स्थित दो हाई-टेंशन लाइनों को भूमिगत करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने बताया कि ये लाइने स्थानीय निवासियों के लिए खतरा पैदा करती हैं और विकास कार्यों में भी बाधा बनती हैं। इस पर कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई करने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का आश्वासन दिया।

प्रॉपर्टी कार्ड में देरी का मुद्दा

विधायक मनुभाई पटेल ने उधना क्षेत्र में प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने अनुरोध किया कि प्रॉपर्टी कार्ड जल्दी से जनता तक पहुंचाने के लिए प्रयास किए जाएं। इस पर कलेक्टर ने सर्वे एजेंसी और डीएलआर अधिकारी को राज्य स्तर पर इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ई-श्रम कार्ड धारकों को अन्न सहायता योजना का लाभ

विधायक अरविंद राणा ने ई-श्रम कार्ड धारक श्रमिकों को एनएफएसए (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) योजना के तहत मुफ्त अन्न सहायता प्रदान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए इस योजना को लागू करना अत्यंत आवश्यक है।

स्कूल आईडी कार्ड में जनमाक्षर मुद्दा विधायक अरविंद राणा ने स्कूल स्तर पर आईडी कार्ड बनाने के दौरान आधार कार्ड की जानकारी में छात्रों के नाम, जाति और पिता के नाम में बदलाव के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को हल करने की आवश्यकता जताई। कलेक्टर ने इस मुद्दे को राज्य स्तर पर उठाने और लोगों के लिए समाधान लाने का आश्वासन दिया।

कनकपुर में नगरपालिका का नया भवन विधायक संदीप देसाई ने कनकपुर में नगरपालिका का नया भवन बनाने के लिए जमीन आवंटन की मांग की। उन्होंने इस क्षेत्र के सामूहिक विकास के लिए इस परियोजना की आवश्यकता को रेखांकित किया। कलेक्टर ने सुडाना के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करके जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।

पोस्ट ऑफिस भवन को तोड़कर नया भवन बनाने की मांग

विधायक संदीप देसाई ने पुरानी पोस्ट ऑफिस बिल्डिंग की जर्जर स्थिति को लेकर उसे तोड़कर नए भवन के निर्माण के लिए परियोजना लाने की अपील की।

सार्वजनिक ट्रांसफॉर्मरों की मरम्मत बमरोली और वडोद क्षेत्र के सार्वजनिक ट्रांसफॉर्मरों के टूटने के संबंध में शिकायत के आधार पर कलेक्टर ने डीजीवीसीएल अधिकारियों को तुरंत मरम्मत करने का आदेश दिया।

आइकोनिक स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र विधायक मोहनभाई ढोडिया ने दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में आइकोनिक स्कूल बनाने का काम जल्दी पूरा करने और कवास गांव में मजदूर स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने की मांग की।

कलेक्टर के महत्वपूर्ण निर्देश

जिला कलेक्टर ने स्वागत कार्यक्रमों में उठाए गए सवालों को लंबित न रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने और विभागों द्वारा सक्रिय रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने की सलाह दी।

गाड़ी रिपेयर कराने आए व्यक्ति ने पुलिस की सरकारी गाड़ी में

पुलिस अधिकारी की टोपी पहनकर और उनके ऊपर बैठकर 'सिंघम' स्टाइल में वीडियो बनाया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के बारडोली नगर में गांधी रोड पर एक गेराज चलाने वाले व्यक्ति ने पुलिस की सरकारी गाड़ी के साथ अधिकारी की टोपी पहनकर एक रील बनाई, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि, यह वीडियो तीन साल पुराना था, लेकिन हाल ही में इसे सोशल मीडिया पर डाला गया था। इस मामले में सक्रिय हुई बारडोली टाउन पुलिस ने वीडियो बनाने वाले सोहेल कुरेशी के खिलाफ मामला दर्ज कर माफी मांगी। पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर आरोपी ने कहा, च्अब क़ान पकड़कर कह रहा हूँ, दुबारा गलती नहीं होगी।ज्

सससस रौब दिखाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया

बारडोली क्षेत्र में एक गेराज चलाने वाले व्यक्ति ने पुलिस की सरकारी गाड़ी में अधिकारी की टोपी पहनकर और पुलिसवाले के बोनट पर बैठकर एक रील बनाई थी। इस वीडियो का सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बारडोली टाउन पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान यह पता चला कि गांधी रोड पर गेराज चलाने वाले सोहेल असलम कुरेशी ने अपने सोशल मीडिया स्टेटस पर यह रील पोस्ट की थी। इसके बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की।

इस वीडियो में वह कार की छत पर चढ़कर रौब दिखाता हुआ नजर आया। अब इस घटना के बाद उस व्यक्ति ने कान पकड़कर कहा कि "दुबारा गलती नहीं होगी।"

सससस पुलिस ने गिरफ्तारी की और मामला दर्ज किया

पुलिस पूछताछ में यह सामने आया कि लगभग तीन साल पहले जब सरकारी गाड़ी रिपेयर के लिए आई थी, तो उस समय आरोपी ने पुलिस अधिकारी की टोपी पहनकर रील बनाई थी। उसने यह स्वीकार किया कि उसने हाल ही में यह रील अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्टेटस के रूप में डाली थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस रील के गंभीर मामले में बारडोली टाउन पुलिस स्टेशन के पीआई वी.ए. देसाई ने कड़ी कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ बीएनएस के तहत धारा 205 के तहत मामला दर्ज किया गया, क्योंकि आरोपी ने जानबूझकर राज्य के सेवा अधिकारी के कपड़े पहनकर फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए थे, जबकि वह किसी सरकारी सेवा में नहीं था।

वार्षिक समारोह का हुआ भव्य आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

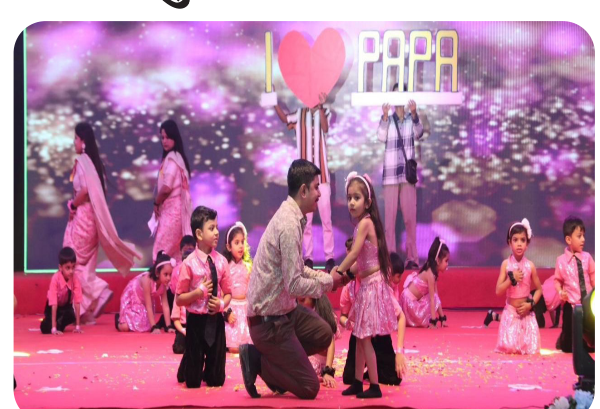

सूरत, अग्रवाल विद्या विहार, डिंडोली द्वारा अपना प्रथम वार्षिक समारोह शनिवार को मनाया गया। अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया की वार्षिक समारोह को "संस्कार - जीवन जीने की कला" की थीम पर आयोजित किया गया। आयोजन में सूरत जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. भागीरथ सिंह परमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। समारोह में छात्रों द्वारा अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, सचिव रसिक जालान, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश झुनझुनवाला, सीए बालकिशन अग्रवाल, अर्जुनदास अग्रवाल सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ।

>> श्रीमद् भागवत में बाल लीला का हुआ वर्णन

लाखों लाखों मंदिर तेरे श्याम... सूरत मंदिर का जवाब नहीं...

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

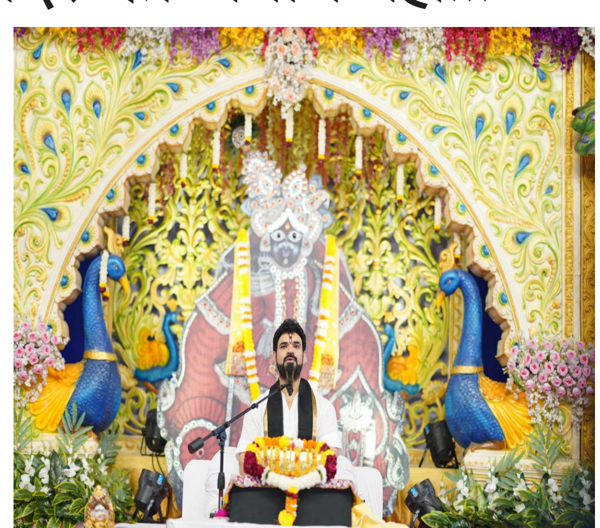

सूरत, वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन व्यासपीठ से वृंदावन के गौरव कृष्ण गोस्वामी महाराज ने श्री कृष्ण की बाल लीला का वर्णन किया। महाराज ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ग्वाल-बाल से इतना प्रेम करते थे कि उनके साथ बैठकर भोजन करते-करते उनका जूठन तक मांग लेते थे। उन्होंने कहा कि हम जीवन में वस्तुओं से प्रेम करते है एवं मनुष्यों का उपयोग करते है। ठीक तो यह है कि हम वस्तुओं का उपयोग करें और मनुष्यों से प्रेम करें। इसलिये हमेशा से प्रेम की भाषा बोलिये जिसे बहरे भी सुन सकते हैं और गूंगे भी समझ सकते है। प्रभु की माखन चोरी लीला हमें यही शिक्षा प्रदान करती है। कथा के दौरान कृष्ण भगवान द्वारा माखन की मटकी फोड़ने की लीला का मंचन किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की आयोजन में शाम सात बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमे स्थानीय गायक कलाकार अमित शेरावाला एवं पंकज केजरीवाला के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गुरुजी जयशंकर चौधरी ने भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भजन च्लाखों लाखों मंदिर तेरे श्याम... सूरत मंदिर का जवाब नहीं...ज्‌ पर उपस्थित हजारों भक्त जय श्री श्याम की जयकर करने लगे। इस मौके पर आयोजन के संयोजक प्रकाश तोदी, कमल टाटनवाला, सुशील गाड़ोदिया, ओमप्रकाश सिहोटिया, महेश अग्रवाल सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।